

नागपूर महानगरपालिकेच्या दि.20.03.2017 सोमवार रोजी सकाळी 11.30 वाजता राजे रघोजीराव भोसले नगर भवन, महाल येथे भरलेल्या स्थगित सर्वसाधारण सभेचे कार्यवृत्त

उपस्थित सदस्य

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव | पद |
|-----------|-------------|-----|--|----------|
| 1. | 37 | क | नंदा शरद जिचकार | महापौर |
| 2. | 20 | ड | दिपराज भैय्याजी पार्डीकर | उपमहापौर |
| 3. | 1 | अ | महेन्द्रप्रसाद रमेश धनविजय | सदस्य |
| 4. | 1 | ब | सुषमा संजय चौधरी | सदस्या |
| 5. | 1 | क | प्रमिला प्रितम मंथरानी | सदस्या |
| 6. | 1 | ड | विरेन्द्र उर्फ विक्की घनश्यामदास कुकरेजा | सदस्य |
| 7. | 2 | अ | भावना संतोष लोणारे | सदस्या |
| 8. | 2 | ब | दिनेश बसंतलाल यादव | सदस्य |
| 9. | 2 | क | नेहा राकेश निकोसे | सदस्या |
| 10. | 2 | ड | मनोज दशरथ सांगोळे | सदस्य |
| 11. | 3 | अ | परसराम काशीनाथ मानवटकर | सदस्य |
| 12. | 3 | ब | गोपीचंद कृष्णराव कुमरे | सदस्य |
| 13. | 3 | क | भाग्यश्री गणेश कानतोडे | सदस्या |
| 14. | 3 | ड | खान नसीम बानो मो. इब्राहिम | सदस्या |
| 15. | 4 | अ | निरंजना महेश पाटील | सदस्या |
| 16. | 4 | ब | शेषराव शंकरराव गोतमारे | सदस्य |
| 17. | 4 | क | मनिषा चक्रधर अतकरे | सदस्या |
| 18. | 4 | ड | राजकुमार पुनाराम साहु | सदस्य |
| 19. | 5 | अ | दुर्गा चंद्रभुषण हत्तीठेले | सदस्या |
| 20. | 5 | ब | प्रविण विलासराव भिसीकर | सदस्य |
| 21. | 5 | क | अभिरूची अनिल राजगिरे | सदस्या |
| 22. | 5 | ड | संजय अरूणराव चावरे | सदस्य |
| 23. | 6 | अ | जितेन्द्र भास्कर घोडेस्वार | सदस्य |
| 24. | 6 | ब | वंदना राजू चादेकर | सदस्या |
| 25. | 6 | क | वैशाली अविनाश नारनवरे | सदस्या |
| 26. | 6 | ड | मो. इब्राहिम तौफीक अहमद | सदस्य |
| 27. | 7 | अ | विरंका मुरलीधर भिवगडे | सदस्या |
| 28. | 7 | ब | शेख मोहम्मद जमाल मोहम्मद इब्राहीम | सदस्य |
| 29. | 7 | क | मंगला योगीराज लांजेवार | सदस्या |
| 30. | 8 | अ | आशा नेहरू उईके (आयेशा) | सदस्या |
| 31. | 8 | ब | अंसारी सय्यदा बेगम मो.निजामुद्दीन | सदस्या |
| 32. | 8 | क | जिशनमुमताज मो. इरफान अंसारी | सदस्या |
| 33. | 8 | ड | भुट्टो जुल्फेकार अहमद | सदस्य |

| | | | | |
|-----|----|---|---------------------------------|--------|
| 34. | 9 | अ | स्नेहा विवेक निकोसे | सदस्या |
| 35. | 9 | ब | संजय श्यामराव बुर्रवार | सदस्य |
| 36. | 9 | क | ममता महेश सहारे | सदस्या |
| 37. | 9 | ड | नरेन्द्र नत्थुजी वालदे | सदस्य |
| 38. | 10 | अ | साक्षी विपीन राऊत | सदस्या |
| 39. | 10 | ब | रश्मि निलमनी धुर्वे | सदस्या |
| 40. | 10 | क | नितिश गंगाप्रसाद ग्वालवंशी | सदस्य |
| 41. | 10 | ड | गार्गी प्रशांत चोपरा | सदस्या |
| 42. | 11 | अ | संदिप चंद्रभान जाधव | सदस्य |
| 43. | 11 | ब | संगीता दिपक गिन्हे | सदस्या |
| 44. | 11 | क | अर्चना विवेक पाठक | सदस्या |
| 45. | 11 | ड | भूषण कृष्णराव शिंगणे | सदस्य |
| 46. | 12 | अ | दर्शनी स्वानंद धवड | सदस्या |
| 47. | 12 | ब | माया चिंतामन इवनाते | सदस्या |
| 48. | 12 | क | हरीश मोहन ग्वालवंशी | सदस्य |
| 49. | 12 | ड | जगदीश शिवदास ग्वालवंशी | सदस्य |
| 50. | 13 | अ | अमर हरीष बागडे | सदस्य |
| 51. | 13 | ब | रूतिका योगेश मसराम | सदस्या |
| 52. | 13 | क | परिणिता परिणय फुके | सदस्या |
| 53. | 13 | ड | वर्षा जयंत ठाकरे | सदस्या |
| 54. | 14 | अ | शिल्पा इशांत धोटे | सदस्या |
| 55. | 14 | ब | प्रमोद ताराचंद कौरती | सदस्य |
| 56. | 14 | ड | प्रगती अजय पाटील | सदस्या |
| 57. | 15 | अ | सुनिल दुलीचंद हिरणवार | सदस्य |
| 58. | 15 | ब | उज्वला प्रकाश शर्मा | सदस्या |
| 59. | 15 | क | रूपा शेखर राय | सदस्या |
| 60. | 15 | ड | संजय अनंत बंगाले | सदस्य |
| 61. | 16 | अ | लखन सुमेरा येरवार | सदस्य |
| 62. | 16 | ब | वनिता सुनिल दांडेकर | सदस्या |
| 63. | 16 | क | तारा (लक्ष्मी) ओमप्रकाश यादव | सदस्या |
| 64. | 16 | ड | संदीप दिवाकर जोशी | सदस्य |
| 65. | 17 | अ | विजय गोपालराव चुटेले | सदस्य |
| 66. | 17 | ब | लता सुनिल काडगाये | सदस्या |
| 67. | 17 | क | हर्षला मनोज उर्फ मोरेश्वर साबळे | सदस्या |
| 68. | 17 | ड | प्रमोद छत्रपाल चिखले | सदस्य |
| 69. | 18 | अ | प्रवीण प्रभाकर दटके | सदस्य |
| 70. | 18 | ब | सुमेधा श्रीकांत देशपांडे | सदस्या |
| 71. | 18 | क | नेहा नरेन्द्र वाघमारे | सदस्या |
| 72. | 18 | ड | ऋषिकेश (बंटी) नारायण शेळके | सदस्य |

| | | | | |
|------|----|---|-------------------------------|--------|
| 73. | 19 | अ | संजयकुमार कृष्णराव बालपांडे | सदस्य |
| 74. | 19 | ब | विद्या राजेश कन्हारे | सदस्या |
| 75. | 19 | क | सरला कमलेश नायक | सदस्या |
| 76. | 19 | ड | दयाशंकर चंद्रशेखर तिवारी | सदस्य |
| 77. | 20 | अ | शकुंतला वामन पारवे | सदस्या |
| 78. | 20 | क | रमेश गणपती पुणेकर | सदस्य |
| 79. | 21 | अ | ज्योती श्रीधर भिसीकर | सदस्या |
| 80. | 21 | ब | नितीन रामभाऊ साठवणे | सदस्य |
| 81. | 21 | क | आभा विजयकुमार पांडे | सदस्या |
| 82. | 21 | ड | महेश केशवराव महाजन | सदस्य |
| 83. | 22 | ब | वंदना वसंतराव यंगटवार | सदस्या |
| 84. | 22 | क | श्रद्धा विजय पाठक | सदस्या |
| 85. | 22 | ड | मनोज केशवराव चापले | सदस्य |
| 86. | 23 | अ | कांता राधेश्याम लारोकर | सदस्या |
| 87. | 23 | ब | मनिषा आशिष धावडे | सदस्या |
| 88. | 23 | क | नरेंद्र (बाल्या) गोविंद बोरकर | सदस्य |
| 89. | 23 | ड | दुनेश्वर सूर्यभान पेठे | सदस्य |
| 90. | 24 | अ | अनिल शौकीलाल गेंडरे | सदस्य |
| 91. | 24 | ब | सरिता ईश्वर कावरे | सदस्या |
| 92. | 24 | क | चेतना राजू टांक | सदस्या |
| 93. | 24 | ड | प्रदीप वसंतराव पोहाणे | सदस्य |
| 94. | 25 | अ | जयश्री योगेश्वर रारोकर | सदस्या |
| 95. | 25 | ब | पुरुषोत्तम नागोराव हजारे | सदस्य |
| 96. | 25 | क | वैशाली देवचंद रोहणकर | सदस्या |
| 97. | 25 | ड | दिपक मोतीरामजी वाडीभस्मे | सदस्य |
| 98. | 26 | अ | धर्मपाल नत्थुजी मेश्राम | सदस्य |
| 99. | 26 | ब | समीता राजेश चकोले | सदस्या |
| 100. | 26 | क | मनिषा सुनिल कोठे | सदस्या |
| 101. | 26 | ड | जितेंद्र धनराज कुकडे | सदस्य |
| 102. | 27 | ब | दिव्या दिपक धुरडे | सदस्या |
| 103. | 27 | क | वंदना राजेश भुरे | सदस्या |
| 104. | 27 | ड | हरिष सिताराम दिकोंडवार | सदस्य |
| 105. | 28 | अ | किशोर रतनलाल कुमेरिया | सदस्य |
| 106. | 28 | ब | मंगलाबाई प्रशांत गवरे | सदस्या |
| 107. | 28 | क | रेखा राजु साकोरे | सदस्या |
| 108. | 28 | ड | विजय शंकरराव झलके | सदस्य |
| 109. | 29 | अ | लीला अजय हाथीबेड | सदस्या |
| 110. | 29 | ब | विद्या योगेश मडावी | सदस्या |
| 111. | 29 | क | भगवान भाऊराव मेंढे | सदस्य |

| | | | | |
|------|----|---|------------------------------|--------|
| 112. | 29 | ड | स्वाती चंद्रकांत आखतकर | सदस्या |
| 113. | 30 | अ | नागेश गोविंदराव सहारे | सदस्य |
| 114. | 30 | ब | रिता अशोक मुळे | सदस्या |
| 115. | 30 | क | स्नेहल सतीश बिहारे | सदस्या |
| 116. | 30 | ड | संजय मधुकर महाकाळकर | सदस्य |
| 117. | 31 | अ | उषा टॉबी पॅलट | सदस्या |
| 118. | 31 | ब | सतीश विठ्ठलराव होले | सदस्य |
| 119. | 31 | क | शीतल प्रशांत कामडे | सदस्या |
| 120. | 31 | ड | रविंद्र प्रभाकर भोयर | सदस्य |
| 121. | 32 | अ | अभय प्रल्हाद गोटेकर | सदस्य |
| 122. | 32 | ब | कल्पना राम कुंभलकर | सदस्या |
| 123. | 32 | क | रूपाली प्रशांतसिंह ठाकुर | सदस्या |
| 124. | 32 | ड | दिपक मारोतराव चौधरी | सदस्य |
| 125. | 33 | अ | वंदना भानुदास भगत | सदस्या |
| 126. | 33 | ब | भारती विकास बुंडे | सदस्या |
| 127. | 33 | क | विशाखा शरद बान्ते | सदस्या |
| 128. | 33 | ड | मनोजकुमार धोंडुजी गावंडे | सदस्य |
| 129. | 34 | अ | नागेश महादेव मानकर | सदस्य |
| 130. | 34 | ब | राजेन्द्र विठ्ठलराव सोनकुसरे | सदस्य |
| 131. | 34 | क | माधुरी प्रवीण ठाकरे | सदस्या |
| 132. | 34 | ड | मंगला शशांक खेकरे | सदस्या |
| 133. | 35 | अ | निलेश ज्ञानेश्वर कुंभारे | सदस्य |
| 134. | 35 | ब | जयश्री मोहन वाडीभस्मे | सदस्या |
| 135. | 35 | क | विशाखा प्रकाश मोहोड | सदस्या |
| 136. | 35 | ड | अविनाश निलकंठ ठाकरे | सदस्य |
| 137. | 36 | अ | मिनाक्षी नितीन तेलगोटे | सदस्या |
| 138. | 36 | ब | पल्लवी अशोक श्यामकुळे | सदस्या |
| 139. | 36 | क | लहु दत्तुजी बेहते | सदस्य |
| 140. | 36 | ड | प्रकाश सिताराम भोयर | सदस्य |
| 141. | 37 | अ | प्रमोद हरिभाऊ तभाने | सदस्य |
| 142. | 37 | ब | सोनाली शालीक कडु | सदस्या |
| 143. | 37 | ड | दिलीप वामनराव दिवे | सदस्य |
| 144. | 38 | अ | उज्वला वसंतराव बनकर | सदस्या |
| 145. | 38 | ब | प्रफुल्ल विनोदराव गुडधे | सदस्य |
| 146. | 38 | क | प्रणिता चंद्रप्रकाश शहाणे | सदस्या |

अनुपस्थित सदस्य

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव | पद |
|-----------|-------------|-----|------------------------|--------|
| 1. | 7 | ड | संदीप प्रल्हाद सहारे | सदस्य |
| 2. | 14 | क | कमलेश दिलीप चौधरी | सदस्य |
| 3. | 20 | ब | यशश्री देवरांम नंदनवार | सदस्या |
| 4. | 22 | अ | राजेश श्रावणजी घोडपागे | सदस्य |
| 5. | 27 | अ | तानाजी सुकलाजी वनवे | सदस्य |

उपस्थित अधिकारी

श्री.श्रावण हर्डीकर, निगम आयुक्त
श्री.हरिश दुबे, निगम सचिव

मा. महापौरजी यांनी सभेची कार्यवाही सुरु केली.

महापौर:- आज आपली पहिली सभा आहे. सर्व मा.सदस्यांचे सभागृहात स्वागत आहे. नागपूर शहराचा विकासात्मक आणि रचनात्मक विकास करण्यासाठी आपल्या सर्वांचे एकदिलाने सहकार्य अपेक्षित आहे. सभेची कार्य नियमानुसार वेळेवर सुरु करण्यात येईल.

ठराव क्रमांक 05 :- मा. महापौरजी यांनी दिलेल्या निर्देशानुसार निगम सचिव यांनी खालील अभिनंदन प्रस्ताव सभागृहात वाचून दाखविले व सभागृहाने त्यास मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मंजूरी प्रदान केली.

अभिनंदन प्रस्ताव

कॅप्टन अमरिंदर सिंग / बीरेन सिंह
मनोहर पर्रीकर / त्रिवेंद्रसिंग रावत / योगी अदित्यनाथ

पंजाबराज्याच्या मुख्यमंत्रीपदी काँग्रेस पक्षाचे कॅप्टन अमरिंदर सिंग, भाजपाच्या नेतृत्वाखाली मणिपूरमध्ये पहिल्यांदाच स्थापन झालेल्या सरकारचे मुख्यमंत्री म्हणून एन.बीरेन सिंह, गोवा राज्याचे मुख्यमंत्री म्हणून मनोहर पर्रीकर, उत्तराखंडमध्ये मुख्यमंत्री म्हणून भाजपाचे त्रिवेंद्रसिंग रावत तसेच उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री म्हणून योगी आदित्यनाथ यांची निवड करण्यात आल्याबद्दल नागपूर महानगरपालिकेची ही सभा सर्वांचे विशेष रूपाने हार्दिक अभिनंदन करित आहे.

हर्षल गायकवाड / स्वप्निल मेश्राम / रोशन पंडीत

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) तर्फे घेण्यात आलेल्या राज्यसेवा मुख्यपरीक्षेत नागपूरचे हर्षल गायकवाड, स्वप्निल मेश्राम, रोशन पंडीत या विद्यार्थ्यांनी यश संपादन करून नगरीचे नांव लौकिक केल्याबद्दल नागपूर महानगरपालिकेची ही सभा त्यांचे विशेष रूपाने हार्दिक अभिनंदन करीत आहे.

कार्तिक लोखंडे / अखिलेश हळवे

व्यसनमुक्ती क्षेत्रात उल्लेखनीय कार्य केलेल्या व्यक्ती व संस्थाना शासनाच्यावतीने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व्यसनमुक्ती सेवा पुरस्कार देण्यात येतो.

पत्रकारितेच्या क्षेत्रात दै. हितवादचे मुख्य वार्ताहर कार्तिक लोखंडे व झी चौवीस तासचे अखिलेश हळवे यांना शासनाचे या पुरस्काराने सन्मानित केल्याबद्दल नागपूर महानगरपालिकेची ही सभा त्यांचे विशेष रूपाने हार्दिक अभिनंदन करीत आहे.

राजू पवार

अग्नि सुरक्षेबाबत जनजागृती निर्माण होण्यासाठी पुणे महानगरपालिकेचा अग्निशमन विभाग आणि फायर अॅण्ड सेक्युरिटी असोसिएशन ऑफ इंडीया यांच्या संयुक्त विद्यमाने भारतातील पहिली मॅराथॉन धाव "एफएसआय लाईफ मॅराथॉन-2017" स्पर्धेत नागपूर महानगरपालिका, अग्निशमन आणिबाणी सेवा विभागातील श्री. राजू धर्मा पवार, अग्निक याने प्रथम क्रमांक प्राप्त करून नगरीचे नांव लौकिक केल्याबद्दल नागपूर महानगरपालिकेची ही सभा त्यांचे विशेष रूपाने हार्दिक अभिनंदन करीत आहे.

महापौर:- मा.सदस्य आपणांस विनंती आहे. आपण सर्वांनी नावानिशी परिचय दयावा. सभागृहाला नवीन नगरसेवकांचा परिचय होईल. (नव निर्वाचित सदस्यांनी आपला परिचय करून दिला)

श्री.प्रफुल्ल गुडधे:-मा.महापौरजी, नवीन नगरसेवकांनी सभागृहाला आपला परिचय करून दिला त्याबद्दल मी आपला आभार व्यक्त करतो. नवीन नगरसेवकांना येथे उपस्थित अधिका-यांचा सुध्दा परिचय झाला पाहिजे. हे अधिकारी कोणत्या पदावर आहेत आणि त्यांच्याकडे कोणता कार्यभार दिला आहे. त्यांचा सुध्दा परिचय झाला पाहिजे.

महापौर:- अधिकारी वर्गाने आपला परिचय दयावा.(सर्व अधिका-यांनी आपला परिचय करून दिला)

महापौर:- विषयपत्रिकेला सुरुवात करण्यांत येते.

ठराव क्रमांक 06:- नागपूर महानगरपालिका स्थायी समितीच्या 3 रिक्त जागेवर भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षा कडून 3 नामनिर्देशन घेण्याचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेतला

श्री. संजय महाकाळकर:- मा.महापौरजी, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षातर्फे स्थायी समितीच्या 3 रिक्त पदाकरिता मा.सदस्यांची नावे बंद लखोट्यात आपणांस सादर करीत आहे.

महापौर:- निगम सचिवांनी प्राप्त झालेली नावे वाचून दाखवावी.

निगम सचिव:- मा.महापौरजी, स्थायी समितीच्या 3 रिक्त पदाकरिता भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेसपक्षातर्फे आलेली नावे खालीलप्रमाणे आहेत.

1. श्री.हरिश ग्वालवंशी
2. अंसारी सय्यदा बेगम मो.निजामुद्दीन
- 3.श्री.मनोज सांगोळे

महापौर:- स्थायी समितीच्या 3 रिक्त पदाकरिता भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेसपक्षातर्फे आलेली नावांची नियुक्ती झाल्याचे घोषित करते.

1. श्री.हरिश ग्वालवंशी
2. अंसारी सय्यदा बेगम मो.निजामुद्दीन
- 3.श्री.मनोज सांगोळे

ठराव क्रमांक 07:- नागपूर सुधार प्रन्यासवर विश्वस्त मंडळावर नागपूर

महानगरपालिकेतर्फे एका सदस्यांची विश्वस्त म्हणून नेमणुक करण्याचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवुन मा. सत्तापक्ष नेते श्री.संदीपजी जोशी यांनी श्री.भुषण कृष्णराव शिंगणे यांना नागपूर सुधार प्रन्यासवर विश्वस्त म्हणून पाठविण्यात यावे या केलेल्या सुचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

ठराव क्रमांक 08:- महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील कलम 30 अन्वये विशेष समितीचे गठन करण्याचा प्रश्न विचारात घेतला

| अ.क्र. | विशेष समिती. |
|--------|--|
| 1. | स्थापत्य , विद्युत व प्रकल्प विशेष समिती |
| 2. | वैद्यकीय सेवा व आरोग्य विशेष समिती |
| 3. | विधी विशेष समिती. |
| 4. | शिक्षण विशेष समिती |
| 5. | गलिच्छ वस्ती निर्मुलन व घरबांधणी विशेष समिती |
| 6. | क्रिडा विशेष समिती |
| 7. | महिला व बाल कल्याण विशेष समिती |

| | |
|-----|----------------------------------|
| 8. | जलप्रदाय विशेष समिती |
| 9. | कर आकारणी व कर संकलन विशेष समिती |
| 10. | अग्निशमन विशेष समिती |

महापौर:—निगम सचिवांनी या संदर्भात माहिती द्यावी.

निगम सचिव:— महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील कलम ३० अन्वये आपल्याला दहा विशेष समित्यांचे गठन करावयाचे आहे. या समितीवर आपल्याला गट, पक्ष यांच्या तौलनिक संख्याबळानुसार नामनिर्देशन करावयाचे आहे. या संदर्भात पक्षाचे जे तौलनिक संख्याबळ ते आपल्या समक्ष सादर करित आहे.

भारतीय जनता पार्टी एकुण सदस्य संख्या 108 गट यांचे गट यांचे तौलनिक संख्याबळ 6.44

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी एकुण सदस्य संख्या 29 यांचे तौलनिक संख्याबळ 1.72

बहुजन समाज पक्ष एकुण सदस्य संख्या 10 यांचे तौलनिक संख्याबळ 0.59

या अनुषंगाने भारतीय जनता पार्टीला 6 जागा, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी यांच्या 2 जागा व बहुजन समाज पक्ष यांना 1 जागा. अशाप्रकारे भारतीय जनता पार्टीला 6 मा.सदस्यांचे नामनिर्देशन प्रत्येक समितीकरिता करावयाचे आहे. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी या 2 मा.सदस्यांचे नामनिर्देशन प्रत्येक समितीकरिता करावयाचे आहे तसेच बहुजन समाज पक्ष यांना 1 मा.सदस्यांचे नामनिर्देशन प्रत्येक समितीकरिता करावयाचे आहे.

गटनेत्यांना विनंती करण्यात येते की त्यांनी बंद लखोटयामध्ये आपल्या सदस्यांचे पक्ष आणि गटनिहाय नामनिर्देशन पत्र मा.महापौरजी यांच्याकडे सादर करावे.

(सर्व गटनेत्यांनी आपआपल्या पक्षाच्या सदस्यांचे नामनिर्देशन पत्र मा.महापौरजी यांच्याकडे सादर केले.)

(मा.महापौरजी यांच्याकडे सादर करण्यात आलेली नामनिर्देशन पत्रांचे बंद लखोटे उघडण्यात आले.)

निगम सचिव:— स्थापत्य व प्रकल्प विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा. सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|---------------------|
| 1. | श्री.संजय बंगाले |
| 2. | अभय गोटेकर |
| 3. | श्रीमती सुषमा चौधरी |
| 4. | विद्या कन्हारे |
| 5. | पल्लवी श्यामकुळे |
| 6. | ज्योती भिसीकर |

निगम सचिव:— अग्निशमन व विद्युत विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|--------------------|
| 1. | संजयकुमार बालपांडे |
| 2. | प्रमोद चिखले |
| 3. | विरेंद्र कुकरेजा |
| 4. | लहुकुमार बेहते |
| 5. | राजकुमार साहू |
| 6. | वनिता दांडेकर |

निगम सचिव:— वैद्यकीय सहाय्य व आरोग्य विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | मनोज चाफले |
| 2. | प्रमोद कोरवती |
| 3. | लखन येरवार |
| 4. | विजय चुटेले |
| 5. | निलेश कुंभारे |
| 6. | विशाखा बान्ते |

निगम सचिव:— विधी विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|----------------------|
| 1. | अॅड मिनाक्षी तेलगोटे |
| 2. | विशाखा मोहोड |
| 3. | महेश महाजन |
| 4. | अमर बागडे |
| 5. | अभिरूची राजगिरे |
| 6. | समिता चकोले |

निगम सचिव:— शिक्षण विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------|
| 1. | प्रा.दिलीप दिवे |
| 2. | स्नेहल बिहारे |
| 3. | स्वाती आखतकर |
| 4. | विजय झलके |
| 5. | राजेंद्र सोनकुसरे |
| 6. | प्रमिला मंथरानी |

निगम सचिव:— गलिच्छ वस्ती निर्मुलन, घर बांधणी व समाजकल्याण विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|------------------|
| 1. | चेतना टांक |
| 2. | वंदना येगटवार |
| 3. | सुनिल हिरणवार |
| 4. | रूतिका मसराम |
| 5. | दुर्गा हत्तीठेले |
| 6. | मंगला खेकरे |

निगम सचिव:— क्रिडा विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | नागेश सहारे |
| 2. | प्रमोद तभाणे |
| 3. | प्रदीप पोहाणे |
| 4. | कांता लारोकर |
| 5. | संजय चावरे |
| 6. | नेहा वाघमारे |

निगम सचिव:— महिला व बालकल्याण विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | वर्षा ठाकरे |
| 2. | श्रध्दा पाठक |
| 3. | लक्ष्मी यादव |
| 4. | दिव्या धुरडे |
| 5. | परिणीता फुके |
| 6. | वंदना भगत |

निगम सचिव:— जलप्रदाय विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | राजेश घोडपागे |
| 2. | महेंद्र धनविजय |
| 3. | दिपक चौधरी |
| 4. | शेषराव गोतमारे |
| 5. | गोपीचंद कुमरे |
| 6. | रूपाली ठाकुर |

निगम सचिव:— कर आकारणी व कर संकलन विशेष समितीकरिता भारतीय जनता पार्टीतर्फे खालील मा.सदस्यांचे नाम निर्देशन करण्यात आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | अविनाश ठाकरे |
| 2. | यशश्री नंदनवार |
| 3. | सोनाली कडू |
| 4. | माधुरी ठाकरे |
| 5. | शितल कामडे |
| 6. | वंदना भुरे |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या स्थापत्य, विद्युत व प्रकल्प विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------|
| 1. | श्रीमती रश्मि धुर्वे |
| 2. | श्री.पुरुषोत्तम हजारे |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या वैद्यकिय सेवा व आरोग्य विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|------------------------|
| 1. | सौ.भावना संतोष लोणारे |
| 2. | श्रीमती आशा नेहरु उईके |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या विधी विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------------------|
| 1. | सौ.हर्षला मनोज साबळे |
| 2. | श्रीमती गार्गी प्रशांत चोप्रा |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या शिक्षण विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|----------------------------|
| 1. | सौ.उज्वला वसंत बनकर |
| 2. | श्रीमती.दर्शना स्वानंद धवड |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या गलिच्छ वस्ती निर्मुलन व घरबांधणी विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------------|
| 1. | श्रीमती.स्नेहा विवके निकोसे |
| 2. | श्री. मनोज सांगोळे |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या क्रिडा विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------------|
| 1. | श्री.दिनेश वसंतलाल यादव |
| 2. | श्री. रमेश गणपती पुणेकर |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या महिला व बाल कल्याण विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------------|
| 1. | श्रीमती.साक्षी विपीन राऊत |
| 2. | श्रीमती.झिंशान मुमताज ईरफान |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या जलप्रदाय विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|----------------------------|
| 1. | श्रीमती.नेहा राकेश निकोसे |
| 2. | श्री.झुल्फीकार अहमद भुट्टो |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या कर आकारणी व कर संकलन विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|---------------------|
| 1. | श्री.परसराम मानवटकर |
| 2. | श्री.तानाजी वनवे |

निगम सचिव:— भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस तर्फे म.न.पा.च्या अग्निशमन व विद्युत विशेष समितीकरिता दोन सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|--|
| 1. | श्रीमती.सय्यदा बेगम निजामुद्दीन अंसारी |
| 2. | श्री.हरीश मोहन ग्वालवंशी |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या स्थापत्य व प्रकल्प विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | मोहम्मद जमाल |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या वैद्यकीय सेवा व आरोग्य विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------|
| 1. | सौ.वंदना राजू चांदेकर |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या विधी विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|--------------------|
| 1. | जितेंद्र घोडेस्वार |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या शिक्षण विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|------------------|
| 1. | मोहम्मद इब्राहीम |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या गलिच्छ वस्ती निर्मुलन व घरबांधणी विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | नरेंद्र वालदे |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या क्रिडा विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------|
| 1. | कु. विरंका भिवगडे |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या महिला व बालकल्याण विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------|
| 1. | सौ.वैशाली नारनवरे |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या जलप्रदाय विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | संजय बुर्जेवार |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या कर व कर संकलन विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------------|
| 1. | सौ.मंगला योगेश लांजेवार |

निगम सचिव:— बहुजन समाज पार्टी तर्फे म.न.पा.च्या अग्नीशमन व विद्युत विशेष समितीकरिता एका सदस्याचे नामनिर्देशन आले आहे.

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|--------------------|
| 1. | सौ.ममता महेश सहारे |

महापौर:— विशेष समितीकरिता मा.सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेते आणि मा.गट नेते यांच्या तर्फे विशेष समितीकरिता आलेली नावे विशेष समिती सदस्य म्हणून नियुक्त झाल्याचे घोषणा करते.

१.स्थापत्य व प्रकल्प विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------|
| 1. | श्री.संजय बंगाले |
| 2. | अभय गोटेकर |
| 3. | श्रीमती सुषमा चौधरी |
| 4. | विद्या कन्हारे |
| 5. | पल्लवी श्यामकुळे |
| 6. | डॉ.ज्योती भिंसीकर |
| 7. | श्रीमती रश्मि धुर्वे |
| 8. | श्री.पुरुषोत्तम हजारे |
| 9. | मोहम्मद जमाल |

2. अग्निशमन व विद्युत विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|--------------------|
| 1. | संजयकुमार बालपांडे |

| | |
|----|--|
| 2. | प्रमोद चिखले |
| 3. | विरेंद्र कुकरेजा |
| 4. | लहुकुमार बेहते |
| 5. | राजकुमार साहू |
| 6. | वनिता दांडेकर |
| 7. | श्रीमती.सय्यदा बेगम निजामुद्दीन अंसारी |
| 8. | श्री.हरीश मोहन ग्वालवंशी |
| 9. | सौ.ममता महेश सहारे |

3. वैद्यकीय सहाय्य व आरोग्य विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|------------------------|
| 1. | मनोज चाफले |
| 2. | प्रमोद कोरवती |
| 3. | लखन येरवार |
| 4. | विजय चुटेले |
| 5. | निलेश कुंभारे |
| 6. | विशाखा बान्ते |
| 7. | सौ.भावना संतोष लोणारे |
| 8. | श्रीमती आशा नेहरु उईके |
| 9. | सौ.वंदना राजू चांदेकर |

4. विधी विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|------------------|
| 1. | मिनाक्षी तेलगोटे |
| 2. | विशाखा मोहोड |
| 3. | महेश महाजन |
| 4. | अमर बागडे |
| 5. | अभिरूची राजगिरे |
| 6. | समिता चकोले |

| | |
|----|-------------------------------|
| 7. | सौ.हर्षला मनोज साबळे |
| 8. | श्रीमती गार्गी प्रशांत चोप्रा |
| 9. | जितेंद्र घोडेस्वार |

5. शिक्षण विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|----------------------------|
| 1. | प्रा.दिलीप दिवे |
| 2. | स्नेहल बिहारे |
| 3. | स्वाती आखतकर |
| 4. | विजय झलके |
| 5. | राजेंद्र सोनकुसरे |
| 6. | प्रमिला मंथरानी |
| 7. | सौ.उज्वला वसंत बनकर |
| 8. | श्रीमती.दर्शना स्वानंद धवड |
| 9. | मोहम्मद इब्राहीम |

6. गलिच्छ वस्ती निर्मुलन, घर बांधणी व समाजकल्याण विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------------|
| 1. | चेतना टांक |
| 2. | वंदना येगटवार |
| 3. | सुनिल हिरणवार |
| 4. | रूतिका मसराम |
| 5. | दुर्गा हत्तीठेले |
| 6. | मंगला खेकरे |
| 7. | श्रीमती.स्नेहा विवके निकोसे |
| 8. | श्री. मनोज सांगोळे |
| 9. | नरेंद्र वालदे |

7 क्रीडा विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------------|
| 1. | नागेश सहारे |
| 2. | प्रमोद तभाणे |
| 3. | प्रदीप पोहाणे |
| 4. | कांता लारोकर |
| 5. | संजय चावरे |
| 6. | नेहा वाघमारे |
| 7. | श्री.दिनेश वसंतलाल यादव |
| 8. | श्री. रमेश गणपती पुणेकर |
| 9. | कु. विरंका भिवगडे |

8. महिला बालकल्याण विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------------------|
| 1. | वर्षा ठाकरे |
| 2. | श्रध्दा पाठक |
| 3. | लक्ष्मी यादव |
| 4. | दिव्या धुरडे |
| 5. | परिणीता फुके |
| 6. | वंदना भगत |
| 7. | श्रीमती.साक्षी विपीन राऊत |
| 8. | श्रीमती.झिंशान मुमताज ईरफान |
| 9. | सौ.वैशाली नारनवरे |

9. जलप्रदाय विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-----------------|
| 1. | राजेश घोडपागे |
| 2. | महेंद्र धनविजय |
| 3. | दिपक चौधरी |
| 4. | शेषराव गोतमारे |

| | |
|----|----------------------------|
| 5. | गोपीचंद कुमरे |
| 6. | रूपाली ठाकुर |
| 7. | श्रीमती.नेहा राकेश निकोसे |
| 8. | श्री.झुल्फीकार अहमद भुट्टो |
| 9. | संजय बुर्रेवार |

10. कर आकारणी व कर संकलन विशेष समिती

| अनु क्र. | मा.सदस्याचे नाव |
|----------|-------------------------|
| 1. | अविनाश ठाकरे |
| 2. | यशश्री नंदनवार |
| 3. | सोनाली कडू |
| 4. | माधुरी ठाकरे |
| 5. | शितल कामडे |
| 6. | वंदना भुरे |
| 7. | श्री.परसराम मानवटकर |
| 8. | श्री.तानाजी वनवे |
| 9. | सौ.मंगला योगेश लांजेवार |

ठराव क्रमांक 09:- स्मार्ट सिटी अभियान अंतर्गत स्थापन करण्यात आलेल्या विशेष उद्देश वाहन (Special Purpose Vehicle) च्या संचालक मंडळावर महासभेकडून 2 संचालक नामनिर्देशित करण्याबाबतचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवून प्रशासनाने दिलेल्या माहितीप्रमाणे या समितीवर सदस्य नियुक्त करण्याचा अधिकार मा.महापौरजी यांना प्रदान करण्यात यावा या मा. सत्तापक्ष नेते यांनी केलेली सुचना व बसपा गटनेते श्री.मो.जमाल यांनी दिलेल्या अनुमोदनानुसार हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

महापौर :- विषय क्र. 8 प्रशासनाने माहिती दयावी.

अति.आयुक्त (श्री.सोनवणे):-मा.महापौर महोदया, नागपूर शहराची केंद्र सरकारच्या स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत निवड झाली आहे, आपल्या सर्वांना माहिती आहेच. स्मार्ट सिटी अभियाना अंतर्गत महानगरपालिकेने जे काही प्रकल्प हाती घेतले त्या प्रकल्पांचे अंमलबजावणी करण्यासाठी एक विशेष उद्देश वहन (स्पेशल परपझ व्हेईकल) हे कंपनी

कायदा 2013 च्या तरतुदी खाली स्थापन करण्यात आले, त्या विशेष उद्देश वहन विषयी रचना कशी असावी या संदर्भात राज्य सरकारने 18 जुन 2016 रोजी एक शासन निर्णय प्रसिध्द करुन सुचना केलेल्या आहेत, त्यानुसार त्यामध्ये एकुण 15 संचालक असतील त्यापैकी 6 सदस्य हे लोक नियुक्त किंवा लोकांनी निवडुन दिलेल्या सदस्यांमधील असावे त्यापैकी मा.महापौर, मा.स्थायी समिती सभापती, मा.सभागृह नेता आणि मा.विरोधी पक्ष नेता हे या संचालक मंडळाचे पदसिध्द सदस्य असतील आणि दोन सदस्य जे आहे त्या सदस्यांचे नामनिर्देशन हे महानगरपालिका सभागृहाने करावयाचे आहे ते करीत असतांना 4 पदसिध्द सदस्य ज्या पक्षाचे आहे त्या पक्षाच्या व्यतिरिक्त जे इतर पक्ष सभागृहामध्ये आहे किंवा त्या पक्षाचे प्रतिनिधी या सभागृहामध्ये आहे त्या पक्षाच्या संख्याबळानुसार उतरत्या क्रमाने 2 सदस्यांचे नामनिर्देशन करावयाचे आहे.

महापौर :- निगम सचिवांनी माहिती दयावी.

निगम सचिव :- मा.महापौरजी, विषय क्र.8 च्या संदर्भात माहिती सादर करण्यात येत आहे की, भारतीय जनता पक्ष व भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस यांच्यानंतर या सदनमध्ये बहुजन समाज पक्षाचे 10 सदस्य आहे, आणि यांचे गटनेते मोहम्मद जमाल आहे आणि शिवसेना या पक्षाचे 2 सदस्य या सदनत आहे परंतु विभागीय आयुक्तांकडुन या पक्षाचे गटनेता कोण अशी माहिती अद्यापही आपल्याला प्राप्त झालेली नाही. आपल्याला ज्या दोन सदस्यांचे नामनिर्देशन करावयाचे आहे त्या संख्याबळानुसार 1 सदस्य बहुजन समाज पक्षाचा आणि 1 सदस्य शिवसेना पक्षाच्या सदस्यांना उतरत्या क्रमाने नामनिर्देशन करावयाचे आहे.

श्री.संदीप जोशी:-मा.महापौरजी, प्रशासनानी सुचविल्यानुसार या स्मार्ट सिटी अभियाना अंतर्गत जे 2 संचालक घ्यायचे आहे यामध्ये ब.स.पा. तर्फे 1 आणि शिवसेना पक्षातर्फे 1 असे 2 सदस्य निवडीचे अधिकार या सभागृहांनी मा.महापौरांना दयावे, अशी मी.सभागृहाला विनंती करतो.

श्री.संजय महाकाळकर :-मा.महापौरजी, माझे यास समर्थन आहे.

श्री.मो.जमाल :-मा.महापौरजी को अधिकार दिया जायें।

ठराव क्रमांक 10:- नागपूर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2017 नुकतीच पार पाडली असून निवडणूक प्रक्रिया निवडणुकीचे कामकाज नियंत्रण व संचालन ३८ प्रभागाची विभागणी करुन १२ झोननिहाय निवडणूक प्रक्रिया पार पाडलेली होती.

तथापि, नागपूर महानगरपालिका १० क्षेत्रिय कार्यालय असल्याने या एकूण ३८ प्रभागाचे १० झोनमध्ये प्रशासकीय स्तरावर विभागणी अनुसूची प्रमाणे करणेबाबतचा विषय महासभेचा मंजुरीकरिता प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवुन प्रशासनाने सुचविलेल्या दुरुस्तीप्रमाणे प्रभाग क्र. 29 हा हनुमाननगर झोन, प्रभाग क्र. 26 नेहरुनगर झोन, प्रभाग क्र 4 हा लकडगंज झोनमध्ये समावेश करण्यात यावा. या मा.सत्तापक्ष नेते श्री.संदीपजी जोशी यांनी केलेल्या सुचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

| अनुसूची | | | |
|----------|------------|----------------|-------------|
| झोन क्र. | झोनचे नाव | प्रभाग क्र. | एकूण प्रभाग |
| 1 | लक्ष्मीनगर | 16, 36, 37, 38 | 4 |
| 2 | धरमपेठ | 12, 13, 14, 15 | 4 |
| 3 | हनुमाननगर | 29, 31, 32, 34 | 4 |
| 4 | धंतोली | 17, 33, 35 | 3 |
| 5 | नेहरुनगर | 26, 27, 28, 30 | 4 |
| 6 | गांधीबाग | 08, 18, 19, 22 | 4 |
| 7 | सतरंजीपुरा | 05, 20, 21 | 3 |
| 8 | लकडगंज | 04, 23, 24, 25 | 4 |
| 9 | आसीनगर | 02, 03, 06, 07 | 4 |
| 10 | मंगळवारी | 01, 09, 10, 11 | 4 |
| | | | 38 |

सहा.आयुक्त (श्री.धामेचा):— मा.महापौरजी, नुकत्याच सार्वत्रिक निवडणुका झाल्यात यातील 38 प्रभागाचे 10 झोननिहाय विभागणी प्रस्ताव विषय क्र 9 अन्वये दिला होता, परंतु या प्रस्तावावर प्रशासनाने सुधारणा सुचविलेली आहे. त्यामध्ये प्रभाग क्र 29 हनुमाननगर मध्ये देण्यात यावा आणि प्रभाग क्र 26 नेहरुनगर आणि प्रभाग क्र 4 लकडगंज झोन मध्ये ठेवण्यात यावा अशी प्रशासनाने विनंती केली आहे.

श्री.हरीश ग्वालवंशी :-मा.महापौरजी, पहले प्रभाग 12 मंगलवारी झोन मे था वह ऐरिया मंगलवारी झोन मे रहते हुये वहा के नागरिकोंको टॅक्स भरना रहा पानी का बिल भरना रहा तो बर्डी मे अभी वह धरमपेठ झोन मे आ गया अभी बर्डी जाना फिर वहासे दो बस बदल कर फिर धरमपेठ झोन मे जाना पडता है, ये गलत है। इसमे नागरिकोका जो हित है उस हिसाब से रखना चाहिये।

श्री.संजय महाकाळकर:—मा.महापौरजी, सदस्यांनी केलेल्या मागणी नुसार

प्रशासनाने योग्य निर्णय घेवुन सुचनेसह मंजूर करावा.

श्रीमती आभा पांडे :-मा.महापौरजी, पिछले रेजीम मे भी जिस हिसाब से झोन की रचना की गयी थी कितने इसमे प्रभाग आयेंगे उस हिसाब से प्रभागो की रचना के हिसाब से प्रभाग एक झोन मे था, लेकीन कुछ डिपार्टमेंट अन्य झोन मे थे तो इस बार वो ध्यान मे रखा जायें और इस बात की नोंद ली जायें। ऐसा नही होना चाहिये की, प्रभाग एक इसमे आता है और उसका वॉटर डिपार्टमेंट का कुछ हिस्सा अन्य झोन मे आता है जिस वजह से पब्लीक को परेशानी होती है, और उससे जादा परेशानी नगरसेवक को होती है। इस बात का ध्यान रखा जायें।

श्री.मनोज चाफले:-मा.महापौरजी, प्रभाग 22 हा लकडगंज झोन मध्ये येतो. या संदर्भात आपणास विनंती आहे की कामाच्या दृष्टीनी प्रभाग 22 हा लकडगंज झोन मध्ये दयावा अशी माझी आपणांस विनंती आहे.

श्री.रमेश पुणेकर :-मा.महापौरजी, मी आपणांस विनंती करतो की, प्रभाग 20 पुन्हा महाल झोन मध्ये घेण्यात यावा

श्री.जगदीश ग्वालवंशी :-मा.महापौरजी, जुना प्रभाग 23 ये करीबन पिछले कार्यकाल तक मंगलवारी झोन मे था। प्रभाग जुना 24 का कम से कम 30 से 40 प्रतिशत भाग प्रभाग 23 से जोडकर नया प्रभाग 12 हुआ और हमारा पुरा जो क्षेत्र है यह टोटली मंगलवारी झोन से संबंधित है। ईसिलिये मै आपसे निवेदन करना चाहता हूँ, प्रभाग 12 मंगलवारी झोन मे रखा जाये ऐसा मे आपसे आग्रहकी विनंती करता हूँ।

श्री.संदीप जोशी :-मा.महापौरजी, झोनची जी काही रचना प्रशासनानी केली आहे. त्या प्रशासनाने केलेल्या रचनेप्रमाणे ती झोनची रचना मंजूर करण्यात यावी.

ठराव क्रमांक 11:- नागपुर शहर महानगरपालिका पाणीपट्टी दर मुल्यांकन व वसुली मुख्य उपविधी 2009 व दुरुस्ती उपविधी 2010 मध्ये सुधारण/दुरुस्ती करण्यास महासभेने ठराव क्र. 330 दि. 06.10.2016 अन्वये मंजूरी प्रदान केली होती. या सुधारणा महाराष्ट्र शासन राजपत्रामध्ये वर्ष 2, अंक 47 गुरुवार ते बुधवार, डिसेंबर 08-14, 2016/अग्रहायण, 17-23, शके 1938 अन्वये प्रसिद्ध करण्यात आल्यानंतर दि. 10 जानेवारी 2017 चे मराठी वृत्तपत्र दैनिक लोकमत, हिंदी वृत्तपत्र दैनिक नवभारत, इंग्रजी वृत्तपत्र दैनिक हितवाद मध्ये जाहीर सूचना प्रसिद्ध करुन याबाबत नागरिकांकडुन 30 दिवसांमध्ये आक्षेप मागविण्यात आले होते. विहित मुदती पर्यंत कोणतेही आक्षेप प्राप्त न झाल्याने महासभेने ठराव क्र. 330 दि. 06.10.2016 रोजी मंजूर केलेल्या दुरुस्ती कायम करुन महाराष्ट्र शासनाकडे महाराष्ट्र महापालिका अधिनियम 1949 मधील कलम 460 व 461 नुसार या दुरुस्तीना अंतिम मंजूरीसाठी पाठविण्याबाबत यथायोग्य निर्णय घेण्याचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेतला

श्रीमती आभाताई पांडे :-मा.महापौरजी, विषय क्र 10 मध्ये जी उपविधी होती त्या उपविधी मधील 6 ड च्या उपविधीचे येथे वाचन करण्यात यावे असे मी प्रशासनाला

निवेदन करते.

महापौर :- प्रशासनाने माहिती दयावी.

कार्यकारी अभियंता (श्री.गायकवाड) :-मा.महापौरजी, 6 'ड' मध्ये स्लम क्षेत्रातील झोपड्या कॉक्रीटचे छत नसलेले व 500 वर्ग फुट पर्यंत पक्के बांधकाम असलेले मीटर व्दारे व मीटर विना निवासी वापरा करिता पाणीपुरवठा प्राप्त करणाऱ्या 15 मीटर व्यासाच्या नळ जोडणी करिता जोडपत्र अ मध्ये दिलेल्या उपविधी कलम 6 'ड' मध्ये प्रमाणे ती आकारण्यात येईल. मात्र स्लम क्षेत्रातील निवासी वापराकरिता झोपड्या, कॉक्रीटचे छत नसलेले घर व 500 वर्ग फुट पर्यंत पक्के बांधकाम असलेल्या घराव्यतिरिक्त मीटरव्दारे पाणी पुरवठा उपविधी कलम 6 ड प्रमाणे आकारण्यात येईल. तसेच पाणी वापर सुरक्षा अनामत रक्कम उपविधी 10 ड मधील संबंधित वर्गवारी नुसार आकारण्यात येईल. दिनांक 8 सप्टेंबर 2010 च्या शासन राजपत्रानुसार कायम करण्यास सभागृहाने परवानगी दिली होती.

श्रीमती आभाताई पांडे:- मा.महापौरजी, पाणी वापर सुरक्षा अनामत रक्कम उपविधी 10 ड चे येथे वाचन करण्यात यावे.

कार्यकारी अभियंता (श्री.गायकवाड):- मा.महापौरजी, 10 'ड' मध्ये आपण जी दुरुस्ती सुचविली आहे या उपविधीच्या मंजूरीच्या तारखे आधीपासुन व तारखेनंतर मीटरव्दारे किंवा विनामीटर नळाच्या पाण्याचा उपयोग करणारे जोडपत्र उपविधी 10 'ड' प्रमाणे पाणीपुरवठा व वापर सुरक्षा अनामत रक्कम जमा करावी लागेल, ऐवजी आपण यामध्ये असा बदल केला आहे या उपविधीच्या मंजूरीच्या तारखे पासुन व तारखेनंतर मीटरव्दारे किंवा विना मीटर पाण्याचा उपयोग करणाऱ्या ग्राहकास जोडपत्र मध्ये दिलेल्या उपविधी 10 'ड' मध्ये नळाव्दारे पाणीपुरवठा सुरक्षा अनामत जमा करावी लागेल.

श्रीमती आभाताई पांडे :- मा.महापौरजी, मेरा आपसे निवेदन है इसमे ये जो उपविधी है इसमे 3 बिंदुओ का मै आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। एक तो ये है की 10 'ड' सम्मिलित किया हुआ है । उसमे स्लम के जो कच्चे घर है उनके लिये नयी उपविधी की अनुसार हर माह 10 युनिट तक 40 रुपये 20 पैसे याने 4 रुपये 20 पैसे प्रति युनिट और ग्यारवे युनिटसे जनरल रेट याने 6 रुपये प्रति युनिट लेगेगा ऐसा 6 'ड' सन्माननिय अधिकारी ने यहा पर वक्तव्य किया उसमे ऐसा लिखा हुआ है। मेरा निवेदन मा.महापौरजी, आज बढती महंगाई देखकर हमे स्लम मे रहने वाले लोगो का ध्यान रखना चाहिये। जिसने 10 युनिट तक 40 रुपये 20 पैसे जो आप लगाने वाले है। मेरी आपसे करबध्द प्रार्थना है की, 10 युनिट की जगह उसे 20 युनिट तक कायम रखा जायें। मा.महापौरजी दुसरा बिंदु मेरे लिये है की उपविधी मे 58 वा जो बिंदु है उसे कृपया यहा पर पढा जाये ऐसा मे आपसे निवेदन करती हूँ।

कार्यकारी अभियंता (श्री.गायकवाड):—मा.महापौरजी, या आधी मी जी सुचना केली आहे याचा मी खुलासा करू इच्छितो स्लम एरियामध्ये जो 10 युनिटचा कायटेरिया ठेवलेला आहे, त्याच्या मागची भुमिका अशी आहे सेंट्रल पब्लीक हेल्थ इन्हायरमेंटल इंजिनिअरिंग ऑर्गनायझेशन यांनी स्लम एरियामध्ये पाणीपुरवठ्याचे जे युनिट ठेवले आहे ते पर कॅपीटा पर इन्कम केलेला आहे. एका महिन्याकरिता 10 लिटर होतात म्हणून आपण विचार केलेला होता त्याच्या पेक्षा जास्त वापर करतील त्यांना नियमित कर द्यावा लागेल एवढ्या माणसांपर्यंत पाणीपुरवठा केला.

श्री.प्रफुल गुडधे :-मा.महापौरजी, 500 फुटापर्यंतच्या माणसांना 10 युनिटचा जो वापर आपण निश्चित केला आहे तो सबसीडायीज रेटमध्ये माझे असे म्हणणे आहे की, जेवढे घर लहान असते तेथे राहणाऱ्या नागरिकांची संख्या जास्त राहते. पॉप्युलेशन डेनसिटी त्या ठिकाणी जास्त राहते. एखादा पाच हजार फुटाचा बंगला असेल तेथे 3 किंवा 4 लोक राहते ज्या चौरस फुटाच्या क्षेत्राच्या अनुषंगाने तेथे लोकांची संख्या त्या घरामध्ये राहत नाही म्हणून स्लममध्ये कंजेस्टेड जरी असले तरी आपण तेथे फिरले तर लक्षात येईल की, एका दहा बाय दहा च्या रुम मध्ये 7 ते 8 लोक राहतात त्यामुळे पॉप्युलेशन डेनसिटी स्लम एरियामध्ये अधिक राहते. त्यामुळे 500 फुटापर्यंतच्या बांधकामासाठी स्लम भागासाठी 20 युनिट पर्यंतचा मा.सदस्यांचा जो प्रस्ताव आहे तो अत्यंत योग्य आहे. म्हणजे स्लम भागामध्ये पाणी वापर 70 लीटर होते असे नाही आहे. जे काही नॉर्म्स असतील त्या नॉर्म्स पेक्षा शहरातील जी भौगोलिक परिस्थिती आहे त्या अनुषंगाने आणि या शहरातील जी व्यवस्थेच्या अनुषंगाने 20 युनिटपर्यंत आपण देणे गरजेचे आहे या सोबतच दुसरा एक महत्वाचा प्रश्न या सोबत जोडूनच मी करतो अफोरडेबल हाउसिंग मोठ्या प्रमाणात या शहरामध्ये निर्माण होत आहे. प्रधानमंत्री आवास योजने अंतर्गत 400 फुटाचे बांधकाम होतील ते मल्टीस्टोरेज बिल्डींग होतील पण तेथे राहणारा जो वर्ग आहे तो कमी उत्पन्न दाराच्या वर्गासाठी आहे त्यांना सुध्दा हा दर लागू होणार आहेत काय ? किंवा माझी सुचना आहे की त्यांना सुध्दा 500 फुटापेक्षा कमी चौरस फुटाचे बांधकाम असतील ते अपार्टमेंट मधील असतील किंवा मल्टीस्टोरेज इमारती मधील असतील तो 500 फुटापर्यंतचा असला पाहिजे त्यांना सुध्दा हा सबसीडायीज रेट लावला पाहिजे अशी सुचना मी करतो आणि आपण त्याला मान्यता प्रदान करावी.

श्रीमती आभा पांडे :-मा.महापौरजी 58 वा बिंदु कृपया येथे वाचण्यात यावा.

कार्यकारी अभियंता (श्री.गायकवाड):— मा.महापौरजी, 58 मध्ये आपण सुधारणा केली आहे ज्या निवासी इमारती करिता नविन नळ कनेक्शन घेतांना भोगवटा प्रमाणपत्र म्हणजे ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट घेणे आवश्यक आहे मात्र त्यांना भोगवटा प्रमाणपत्र सादर

केले नाही त्या इमारतींना पाणी वापर सुरक्षा अमानित रक्कम प्रचलित दराने जमा करावी लागेल. उपविधी 9 दराने तिप्पट पाणीपट्टी आकारण्यात येईल अशी आपण मान्यता प्रदान केली होती. म्हणजे ज्यांच्याकडे ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट नाही आहे. त्यांना जो घरगुती वापराचा जो दर लागत होता त्याच्या तिप्पट दराने म्हणजे या पुर्वी 31 रुपये दराने देत होतो तो आता कमी केला तर 20 रु येईल.

श्रीमती आभा पांडे:—मा.महापौरजी, तरी सुध्दा नविन कनेक्शन घेतांना ज्या निवासी इमारती आहे त्यांनी भोगवटा प्रमाणपत्र जर सादर केले नसेल तर बिल्डर कडुन ती पेनॉल्टी वसुल केली पाहिजे. असे माझे येथे निवेदन आहे कारण नागरिकांकडुन घरगुती वापरांचा दर लावण्यात आला, त्यामध्ये तिप्पट रेट लावु नये कारण यामध्ये बिल्डरचा फायदा होईल आणि नागरिकांचे नुकसान होईल म्हणुन ती जी पेनॉल्टी आहे ती बिल्डर कडुन वसुल करण्यात यावी असे माझे निवेदन आहे. याबरोबरच मा.महापौरजी, या दोन सुचनाबरोबर तिसरी एक अजुन सुचना आहे एक .14 मध्ये एक मेशन केले आहे की मीटर शॉल बि फिक्स विथ इन द प्रिमायसेस ऑफ द कंन्झुमर अँट 30 से.मी. बॉन्ड्री ऑफ दी हाउसिंग ऑर बिल्डींग स्ट्रक्चर मा.महापौरजी मेरा इसमे निवेदन है की, जो पुराना नागपूर है इसमे अगर हम 30 से.मी. देखने जाये तो घर के बाहर का हिस्सा आता है। नया ऐरिया या नया जहापर डेव्हलपमेंट हो रहे है या नये लेआउट है वहापर बॉन्ड्री वॉल रहती है वहा पर 30 से.मी. बॉन्ड्री वॉल के अंदर आता है। आज ओ. सी.डब्लु. कंपनी की तरफ जो मीटर घर के बाहर लगाये गये हैं 30 से.मी. के दायरे मे वो हजारों मीटर्स चोरी चले गये है। जब वह कंन्झुमर ओ.सी.डब्लु. कंपनी के पास आते है तो कंपनी यह कहती है की आप पहले पोलीस कंम्प्लेंट करे फिर उसकी कॉपी लाकर दिजीये फिर कंन्झुमरसे 1600 रुपये वसुल करते फिर नया मीटर लगाते है। मा. महापौरजी मेरा आपसे निवेदन है की, कंन्झुमर की जिम्मेदारी कब होंगी जब कंन्झुमर के हद मे आप मिटर लगायेंगे आज कंन्झुमर के घर के बाहर आप मीटर लगा रहे है उसकी जिम्मेदारी कंन्झुमर की नही है और उसके लिये हजारो मीटर्स चोरी चले गये है जिसके कारण ओ.सी.डब्लु. नागपूर महानगरपालिका के रेव्हेन्यु पर भी फरक पड रहा है। नागरिक बिल भरने के लिये तयार नही है मा.महापौरजी, जो ओल्ड नागपूर है यहा की गंभीर समस्या है मै आपसे निवेदन करना चाहती हूँ एक अच्छा विषय है इसका आप इनेशिएटीव्ह ले जो ओ.सी.डब्लु. कंपनी वसुल कर रही है मीटर लगाने के लिये 1600 रुपये उसे बंद करके उन्होंने जहापर मीटर बाहर लगाया गया था वह कंन्झुमर के घर के अंदर लगाया जाये ऐसा मे आपसे निवेदन करती हूँ, धन्यवाद।

श्री.प्रफुल गुडधे:— मा.महापौरजी, ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटच्या संदर्भात आपण ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटसाठी ज्यावेळी आपण अर्ज करतो तेव्हा पाण्याचे कनेक्शन आहे काय हे विचारले जाते जो पर्यंत पिण्याचे पाण्याचे कनेक्शन राहत नाही तो पर्यंत

ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट मिळत नाही. या दोन्ही गोष्टी एकदम कॉन्ट्रेडेक्टरी आहे म्हणून ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटची अट या ठिकाणाहुन पुर्णतः या ठिकाणाहुन वगळून टाकावी. विषय पत्रिकेमध्ये आपण दिले होते की या संदर्भात नागरिकांकडून काहीच आक्षेप आले नाही मात्र हे आक्षेप यासाठी आले नाही की 10 जानेवारी 2017 आपण आक्षेप मागितले होते 5 तारखेला निवडणुकीची आचारसंहिता लागू झाली. आणि सर्व शहर हे निवडणुकीच्या कामाला लागले होते. सभागृहामध्ये ज्यावेळी उपविधी मंजूर झाल्या आणि त्या गोधळामध्ये उपविधी मंजूर केल्या होत्या त्यावेळी आपण नव्हते.

श्री.प्रविण दटके :-मा.महापौरजी, मी प्रफुलजींना माहिती देवू शकतो, ऑक्युपेंन्सी नसतांना नळांचे कनेक्शन मिळत नाही हा त्यांचा गैरसमज आहे. नळाचे कनेक्शन मिळते त्याचा रेट वेगळा असतो. कारण जो पर्यंत शिस्त लागणार नाही तो पर्यंत आपण नळाचे कनेक्शन देतो परंतु त्याचा रेट वेगळा लागतो त्यामुळे त्यांनी मागणी अशी करावी की, त्याच्या रेट मध्ये काही कमी करावी. कन्स्ट्रक्शन साईटवर पिण्याचे पाणी याचे कनेक्शन मिळते हे मी त्यांची माहिती अपडेट करुन देतो.

श्री.प्रफुल गुडधे :-मा.महापौरजी, कन्स्ट्रक्शन साईटवर पिण्याचे पाणी ही कॅटीगिरी वेगळी आहे मात्र जिथे पट्टेचे सेलडीड झाले लोक रहायला येवून राहिले आणि नळाचे कनेक्शन ज्यावेळेस घेतो त्यावेळी बिल्डर कुठल्या दराने पाण्याचा वापर होणार आहे तो त्यावेळी सांगत नाही. आणि सरसकट त्यांना कमर्शियल प्रमाणे येते.

श्री.प्रविण दटके :-मा.महापौरजी, हा बिल्डर काय करतो याच्याशी महानगरपालिकेला घेणेदेणे नाही. महानगरपालिकेला नागरिकांशी घेणे देणे आहे. त्यामुळे आपल्या बिल्डींग डिपार्टमेंटनी आणि आपल्या झोननेही लक्ष ठेवले पाहिजे. मा.प्रफुलजींचे म्हणणे योग्य आहे की, एकदा बिल्डर प्लॅट विकून टाकतो आणि मग नागरिकांना त्रास होतो मग ऑक्युपेंन्सी मिळत नाही मग जास्त दराने पाणी घ्यावे लागते यावर आपला अंकुश असला पाहिजे. याच माध्यमातून माझी मा.आयुक्तांना विनंती आहे की बिल्डींग डिपार्टमेंट हे सेंन्ट्रलाईज असले पाहिजे. झोनमध्ये 3000 स्केअर फुट आणि मग त्यामध्ये बरेचशे घोटाळे होते त्यामुळे याही दृष्टीनी ज्या भागामध्ये हा जो नियम आहे तो जर काटेकोर पणे पाळला गेला तर सामान्य नागरिकांचा यामध्ये फायदा आहे. बिल्डर लोक निघून जातात आणि सामान्य नागरिकांना यामध्ये त्रास होतो.त्यामुळे प्रफुलजींच्या मताशी मी सहमत आहे मात्र जो पर्यंत ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट मिळणार नाही विशेषतः प्लॅट स्किम करिता निवासी घराकरिता एखादया वेळेस वेगळा विचार आपण केला पाहिजे कारण ते आपले नागरिक आहे पण बिल्डर कमाई करुन जातो आणि नागरिकांना त्रास देतो त्यामुळे त्या विषयात काटेकोरपणे ऑक्युपेंन्सीचा विचार करुनच नळ कनेक्शन दयावे अशी माझी विनंती आहे.

श्री.प्रफुल गुडधे :- मा.महापौरजी, या ठिकाणी ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट शिवाय

लोक इमारती विकतात आणि हे विकल्यानंतर लोक रहायला जातात आणि नळाचे कनेक्शन फ्लॅट स्कीम मध्ये राहते आणि ज्यावेळी बिल येते आणि त्यावेळेस लोकांना कळते की कमर्शियल रेट किती आहे. मा.महापौरजी, या ठिकाणी नविन आता कायदा आला आहे बिल्डरसाठी बंधनकारक आहे की त्याला ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट घेतल्याशिवाय कुठलाही फ्लॅट विकता येणार नाही त्याच्यावर दंड आकारण्यात येईल, बिल्डरनी ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट घेतले नाही तर एम.आर.टी.पी. अॅक्ट अंतर्गत त्याच्यावर कारवाई करण्यासाठी महानगरपालिका स्वतंत्र आहे. मात्र त्याचा भुर्दंड सामान्य नागरिकांवर बसतो मा.महापौरजी, जो उपभोक्ता आहे त्याचे त्यामध्ये काही दोष नाही येथे इमारतीचे बांधकाम नकाशे सर्वसामान्य नागरिकांना जर समजले असते तर त्यांनी स्वतःचे इमारती बांधल्या असत्या यामध्ये मी असे अनेक उदाहरणे सांगतो की ज्यांना या उपविधीवर आक्षेप घ्यायचे होते. मात्र हे कुठल्या वर्तमानपत्रामध्ये प्रसिध्द झाले हे नजर चुकीने दिसले नसेल किंवा त्यावेळेस निवडणुकीच्या माहोल मध्ये दिसले नसेल यामध्ये मी श्री.प्रविण दटके यांच्या कडे व श्री.संदीपजी जोशी यांच्याकडे लोक पाठविले होते त्यावेळी ते जलप्रदाय समितीचे अध्यक्ष होते. हे माझ्या प्रभागातील लोक नाहीत तर हे दक्षिण नागपुर भागातील लोक आहे. हा प्रमाणपत्राशिवाय जो तिप्पट दर आहे तो तिप्पट दर वसुल बिल्डर कडून करावा तो सर्वसामान्य लोकांकडून करू नये.

श्री.भुषण शिंगणे:- मा.महापौरजी ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट हा नागपूरचा गंभीर विषय आहे. जे बिल्डर गुन्हे करतात जे बिल्डर आपल्या बिल्डींगाबांधून पळुन जातात. सामान्य नागरिकांना याचा फार मोठा त्रास होतो. जे फ्लॅट धारक आहे ते पैसे भराच्या मनस्थितीत नाही. हा विषय नागपूरचा गंभीर आहे आपण नागपूर महानगरपालिकेतर्फे कोर्टांमध्ये जावुन किंवा न्यायालयाला दाद मागुन यामध्ये विषय मार्ग काढला पाहिजे. फ्लॅटधारक कमर्शियल रेट मध्ये पैसे भरायच्या मनस्थितीत नाही आहे. याचा परिणाम नगरसेवकांना भोगावा लागतो.

श्री.अविनाश ठाकरे :-मा.महापौरजी, या ठिकाणी जो ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटचा जो मुद्दा आहे आणि बिल्डरवर जो कारवाईचा प्रश्न आहे तो अतिशय योग्य आहे. त्याबरोबर आपण ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देण्याची प्रक्रीया सुध्दा जाणुन घेतली पाहिजे की, ज्यावेळी नकाशा सबमिट होतो त्यावेळेला प्लॅन्थ लेव्हलच्या कंस्ट्रक्शनच्या कामाचे इन्स्पेक्शन व्हायला पाहिजे त्याचे व्हेरीफिकेशन व्हायला पाहिजे आणि त्याचे सर्टीफिकेशन व्हायला पाहिजे. परंतु कुठलाही ज्युनिअर इंजिनिअर नकाशा मंजुर करतेवेळी त्याच्या कंस्ट्रक्शनवर जात नाही, सर्टीफिकेशन देत नाही इन्स्पेक्शन करीत नाही आणि मग बिल्डींग कंम्प्लीट झाल्यानंतर मग नळाच्या कनेक्शनसाठी ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटची मागणी होते, आज जी शहरातील परिस्थिती झाली आहे की सगळे फ्लॅट ओनर कमीर्शियल रेटमुळे त्रस्त आहे म्हणुन माझी सभागृहाला आणि आपल्याला एक

विनंती आहे मा.महापौरजी, कुठेतरी कट ऑफ डेट ठरली पाहिजे आता बिल्डींग रेगुलेशन अॅक्ट मध्ये आता बिल्डरवर कारवाईची प्रक्रीया आपण करणारच आहोत. परंतु जे घडुन गेलेले आहे आणि ज्याला सामान्य नागरिक जबाबदार नाही आहे अशावेळी कुठेतरी एक कट ऑफ डेट ठरवुन त्यांना रेग्युलर रेटनी पाणी देवुन त्याच्यानंतर हा नियम लागु केला तरच आपण नागरिकांना न्याय देवु शकु अशी माझी या ठिकाणी भुमिका मा.महापौरजी, आणि ती सभागृहानी मान्य करावी अशी माझी विनंती आहे.

श्री. ऋषिकेश (बंटी) शेळके:—मा.महापौरजी, सन्माननिय माजी महापौरजी श्री.प्रविण भाउ येथे या ठिकाणी बसलेले आहे जेथे मोहनजी भागवत साहेबांचे जेथे मतदान आहे जेथे मा.गडकरी साहेबांचे जेथे मतदान आहे जेथे संघाचे मुख्यालय आहे तसेच जेथे परमपुज्य श्री हेडगेवारजी यांची जन्मभूमी आहे. सर्वप्रथम माझा म्हणण्याचा उद्देश ऐवढाच आहे की, आपण पाण्याचे दर तेव्हाच आपण निश्चित केले पाहिजे जेव्हा 7 दिवस 24 तास आपण पाणीपुरवठा देवु. आपण ओ.सी.डब्लु. कंपनीला कंत्राट दिला आहे. मा.केंद्रीय मंत्री गडकरी साहेब राहते तेथुन 100 मीटर जेथे संघाचे मुख्यालय आहे तेथुन 200 मीटर, परमपुज्य श्री हेडगेवारजी यांच्या निवासस्थाना पासुन 70 मीटर, माजी महापौर साहेबांच्या प्रभागामध्ये सकाळी साडेपाच पासुन साडे सहा पर्यंत फक्त 1 तास पाणी येते. आपण पाण्याचे दर निश्चित केले केव्हा पाहिजे ज्या भागात अपुरी पाणीटंचाई आहे रोज एक तास पाणी येत आहे आपला जो प्रभाग आहे तो हिंदुवादी प्रभाग आहे आणि हिंदुवादी प्रभागामध्ये जर आपल्याला दुसऱ्या दिवशी देवांची पुजा करायची आहे तर शिळे पाणी आपण वापरणार आहे काय? आपल्याला एवढीच विनंती आहे की, प्रभाग क्र 18 मध्ये जेथे संघाचे मुख्यालय आहे जेथे हेडगेवारजींचे निवासस्थान आहे तेथे कमीत कमी 24 तास पाणी नाही तर किमान रोज सकाळ संध्याकाळ दोन –दोन तास जरी पाणी दिले तेव्हाच आपण पाण्याचे दर निश्चित करावे, एवढीच विनंती मी आपणास आग्रहाची विनंती करु इच्छितो.

श्री.बाल्या उर्फ नरेंद्र बोरकर:—मा.महापौरजी, ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटचा अर्थ काय आहे हे सांगण्यात यावे.

श्री.प्रफुल गुडधे :-मा.महापौरजी, या ठिकाणी ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट न घेता बिल्डरनी लोकांना ताबा दिला असेल तर इमारतीच्या अॅक्ट मध्ये काय शिक्षेची तरतुद आहे हे सुध्दा या ठिकाणी सांगितले पाहिजे.

श्री.झुल्फेकार भुटटो :-मा.महापौरजी, यहापर पानी की दर डिसाईड करने के लिये विषय चल रहा है। मै सभागृह से और मा.महापौरजीसे पुछना चाहता हूँ की, स्वच्छ पानी की दर डिसाईड करना है की दुषित पानी की, क्योकी सेंद्रल नागपूर मे पचासो ऐरिया मोमिनपुरा, अन्सारनगर सैफी नगर, भानखेडा, तकिया दिवानशहा, हंसापुरी, डोबरे का कुवॉ पाचपावली ऐसे कई क्षत्रो मे दुषित पानी आता है। तो पहले

हमने स्वच्छ पानी देना चाहियें उसके बाद पानी की दर डिसाईड करना चाहियें। हमारे यहा जो दुषित पानी आ रहा है उसकी भी दर नागपूर महानगरपालिका भेजती है। तो हमने पहले स्वच्छ पानी देने का काम करना चाहिये तब तक हमने यह विषय स्थगित रखना चाहिये।

श्री.प्रफुल गुडधे:- मा.महापौरजी, बॉयलॉज मधला 60 चा नियम या ठिकाणी वाचण्यात यावा.

श्री.मनोज सांगोळे :-मा.महापौरजी, ही उपविधी जी आहे 2009 मध्ये तयार करण्यात आली त्याचा जी.आर जो आहे 2016 मध्ये आला तेव्हाचे मा.सदस्यसंख्या किती होते आणि आता शहर वाढत आहे, त्याच्यानंतर आता नविन निर्वाचित झालेले सदस्य आहे यांना खूप त्रास होत आहे जेथे दुषित पाणी येते तेथे तेवढाच दर आकारणार आहेत आणि जेथे स्वच्छ पाणी येते तेथेही तेवढाच दर आकारणार आहात जेथे जलवाहिण्या घातलेल्या नाही आहे अशा लोकांना बिल जाते आणि त्यांनाही बिल भरायला लावत आहे याची जी व्यवस्था आहे आणि जी तफावत आहे ते दुर करण्याकरिता या विषयाला स्थगिती देवुन नव्याने विचार करुन पुढल्या सभेमध्ये ठेवण्यात यावा अशी माझी आपणांस व सभागृहाला विनंती आहे.

श्री.राजकुमार शाहु:-मा.महापौरजी, हम जिस क्षेत्र आये है वह उत्तर नागपूर है। उत्तर नागपूर मे स्लम बस्तीया है। काफी सारी बस्तीया जो दलित वस्ती सुधारणा के अंतर्गत महानगरपालिका का जो डिपार्टमेंट है, उसके अंतर्गत दलित वस्ती मे सुधारणा नहीं की गयी। दलित बस्तीयों मे ड्रेनेज लाईन के कारण दुषित पानी आता है। दलित बस्ती मे जो 40 से 50 सालो से जो ड्रेनेज लाईन डाली गयी है और उसके कारण और ड्रेनेज के कारन दुषित पानी आता है। पहले तो महानगरपालिका के अंतर्गत दुषित पानी आता है और कर बढ़ाने की बात की जाती है (बिल) दलित बस्तीमे पानी का दर कम होना चाहिये। छत्रपती शाहु महाराज ने जब शेतसारा वसुल करने के संदर्भ मे उनके दरबार से जो लोग वसुल करने गये थे तो जो लोगो की कॅपीसीटी नहीं थी शेतसारा देने की उन लोगो ने शेतसारा देने से मना किया था। तब छत्रपती शाहुजी महाराज बस्तीयो मे गये जो लोगो की कॅपीसीटी नहीं है और जिनकी कॅपीसीटी है उनसे कर वसुल किया जाये परंतु आज जिनकी कॅपीसीटी नहीं है उनसे जादा वसुल किया जा रहा है इनका मैं विरोध करता हूँ।

श्री.नरेंद्र उर्फ (बाल्या) बोरकर:-मा.महापौरजी,ऑक्युपेंन्सी सर्टीफीकेट देतांना कोणत्या कोणत्या कागदपत्रांची गरज आहे त्या संदर्भात माहिती दयावी.

महापौर:- प्रशासनाने माहिती दयावी

सहायक संचालक (नगररचना) :- मा.महापौरजी, नगररचना विभागामार्फत

बांधकाम परवानगी दिल्यानंतर प्रथमतः संबंधित विकासक यांना प्लिंथ सर्टीफिकेट घ्यावे लागते जेव्हा प्लिंथ पर्यंत बांधकाम केल्या जाते आणि संपुर्ण बांधकाम केल्यानंतर त्यांना ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट म्हणजे भोगवटा प्रमाणपत्र घेणे आवश्यक असते.

श्री.प्रविण दटके :- मा.सदस्यांचा प्रश्न एकदा परत समजुन घ्या, मला इमारत बांधल्यानंतर मला ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट घ्यायचे असेल तर मला कुठल्या कुठल्या गोष्टींची मला गरज आहे मग मी बिल्डींग प्लॅन प्रमाणे बांधकाम केले आहे काय? काय काय गोष्टी लागतात ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटला ते येथे सांगण्यात यावेत.

सहायक संचालक (नगररचना):-मा.महापौर महोदया, एकदा नगररचना विभागाकडून नकाशा घेतल्यावर त्यांनी मंजुर नकाशाव्दारे बांधकाम करुन घेणे आवश्यक असते व संपुर्णतः बांधकाम झाल्यानंतर एक प्रोफार्मा दिलेला आहे. डी.सी.आर. मध्ये त्याप्रमाणे ते करायचे आहे सध्या परिस्थितीत हे अधिकार झोन कार्यालयाला दिलेले आहे ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देण्याबाबतचे जो प्रोफार्मा आहे त्यांच्यामध्ये माहिती भरुन ते सर्टीफिकेट त्यांनी प्राप्त करुन घ्यायचे आहे.

श्री.दयाशंकर तिवारी :- मा.महापौरजी, ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट लेते समय जिस नागरिकोंको बिल्डींग हॅन्डओव्हर करनी है उसकी सारी सुविधा उस बिल्डींग मे है की नही ये चेक करने के बाद भी हम ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देते है इसका स्पष्टीकरण दे।

सहायक संचालक (नगररचना):-मा.महापौर महोदया, बांधकाम परवाना पत्र जे दिले जाते त्यामध्ये अटी आणि शर्ती नमुद केल्या आहे आणि संबंधित विकासकांना संपुर्ण अटींची पूर्तता करावी लागते.

श्री.दयाशंकर तिवारी :-पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन मा.महापौर महोदया, या ज्या अटी शर्ती दिलेल्या आहेत त्या अटी शर्तीमध्ये पिण्याच्या पाण्याची सवलत उपलब्ध झाल्यानंतरच आपण ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देतो ही अट आहे किंवा नाही?

सहायक संचालक (नगररचना):-मा.महापौर महोदया, या बाबत मी पडताळणी करुन माहिती उपलब्ध करुन देतो.

श्री.दयाशंकर तिवारी:- महापौर महोदया, मी कृपापुर्ण निवेदन करतो की विभागाच्या प्रमुख यांनाच माहिती नाही तर खालच्या लोकांचे काय होईल, ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटवर साईन करणारी जी अथॉरीटी आहे ती अथॉरीटी जर हे म्हणत असेल मला माहिती नाही तर कसे होईल.

श्री.प्रफुल गुडघे :- मा.महापौरजी, ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटसाठी जे आवश्यक कागदपत्र लागतात त्याला इलेक्ट्रीक कनेक्शन आहे किंवा नाही हा अत्यंत महत्वाचा भाग आहे, इलेक्ट्रीक कनेक्शन झाल्यानंतर त्याचे फायर कंप्लायन्सेस झाले की नाही हे देखील पाहिल्या जाते. फायर कंप्लायन्स झाल्यावर त्याचे सिवरेज डिसपोजल बरोबर

झाले की नाही मुख्य मलवाहिनी ला ते जोडले की नाही ते पाहिले जाते. चौथा जो महत्वाचा प्रश्न आहे पिण्याच्या पाण्याची उपलब्धता झाली आहे की नाही ते पाहिल्या जाते या सर्व आवश्यक कंडीशन आहे त्यामुळे या चार कंडीशन कम्पाईल झाल्याशिवाय आणि त्याचे मंजूर बांधकाम नकाशाप्रमाणे बांधकाम झाले की नाही हे तपासल्यानंतर ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देण्याची प्रक्रीया पुर्ण होते.

श्री.भुषण शिंगणे :-मा.महापौरजी पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन, नगररचना विभागाला अजुनही ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट देण्याची प्रक्रीया माहिती नाही हा नागपूर शहराचा महत्वाचा विषय असल्यानंतरही माहिती नाही आहे आपण त्याची पडताळणी करीत आहे असे सभागृहासमोर बोलण्यात येते बरोबर नाही आहे.

श्री.नरेंद्र उर्फ (बाल्या) बोरकर:-मा.महापौरजी, यांना जर माहिती नसेल तर यांच्या खालचे जे कर्मचारी आहे त्यांना माहिती असेल तर त्यांना येथे माहिती देण्याकरिता बोलविण्यात यावे.

श्री.प्रविण दटके:- मा.महापौरजी, जर कायद्यातच ही प्रोव्हीजन नाही तर ही उठाठेव करण्याची गरज त्यावेळी का भासली कारण आपल्या एकाही अधिका-यांना किंवा ए.डी.टी.पी. ना हे माहितच नाही तर आक्युपेंसी देतांना काय काय मागवावे लागते मग सिव्हर, इलेक्ट्रीक, पाणी मग माझ्याकडे पाण्याचे कनेक्शन नसेल मी हॅडपम्प किंवा विहीर केली असेल तरी तुम्हाला आक्युपेंसी घ्यावीच लागते, तर घ्यावी लागते तर याच्यात जे आपले अधिकार आहे नागपूर महानगरपालिकेचे आणि नागपूर महानगरपालिका ही नागरिकांकरिता काम करणारी संस्था आहे. तर आपण निश्चितच पाण्याचे कनेक्शन दिले पाहिजे. जो मुद्या शिस्तीचा आहे त्याचा देखील विचार केला पाहिजे की, पाण्याचे कनेक्शन देतांना बिल्डरनी सुविधा केल्या कि नाही, ड्रेनेज केले की नाही हे सुध्दा बघुन घेतल्या पाहिजे. त्यामुळे आपणांस या सदनातर्फे विनंती आहे कि आक्युपेंसीची अट यातुन काढुन घेण्यात यावी.

श्री.नरेंद्र उर्फ (बाल्या) बोरकर :- मा.महापौरजी, आक्युपेंसीची अट काढुन टाकली पाहिजे आणि लोकांना पाणी दिले पाहिजे.

श्री संजय महाकाळकर :-मा.महापौरजी, आतापर्यंत ज्या ज्या इमारतीला आपण आक्युपेंसी सर्टीफिकेट ची कंडीशन टाकुन त्या त्या इमारतीला नळाचे कनेक्शन दिलेले आहे व त्यांना जे काही कर्मशिर्यल रेट आपण लावलेले आहे, ते सर्व रेसीडेंशीयल याच्यात कन्वर्ट करून यामधला जो डिफरन्स आहे तो टॅक्स मध्ये इन्क्लुड करावा अशी मी आपणांस विनंती करीत आहे.

श्री.मोहम्मद जमाल :-मा.महापौरजी, यह प्रश्न जनता से जुडा हुआ है। यह पुराना प्रश्न है इस प्रश्नको फिरसे पटलपर लाकर फिरसे चर्चा करे क्योंकि ऑक्युपेंन्सी

सर्टीफिकेट का प्रश्न बिल्डरसे जुडा हुआ प्रश्न है इस प्रश्न का सबसे जादा नुकसान जनता को हो रहा है। इसलिये इस प्रश्न को रद्द किया जाये।

श्री जितेंद्र कुकडे :-मा.महापौरजी, आज 2016 मध्ये एक बिल्डींग तयार होते त्यामध्ये 70 फ्लॅट होते आता 2017 सुरु आहे त्यांना ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट मिळाले नाही म्हणुन त्यांना पाण्याचे कनेक्शन अजुन मिळाले नाही म्हणुन जनता पाण्यासाठी त्रस्त आहे, याचे उत्तर देण्यांत यावे.

श्री जगदीश ग्वालवंसी :-मा.महापौरजी, हमारी सरकार ने 572-1900 लेआउट मे गुंठेवारी के आधार पर रेगुलराईज किया गया और यहापर ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट के आधार पर लोगो को कमर्शियल रेट दिया जा रहा है यह बरोबर नही है, मैं आपसे आग्रह की विनती करता हूँ कि, कर्मशियल रेट को स्थगित करके उनको रेसीडेंशीयल रेट दिये जाये। फ्लॅटधारक की यहापर कोई भी गलती नही अगर आपको कारवाई करनी है तो बिल्डरपर करें।

महापौर :-या संदर्भात निगम आयुक्तांनी माहिती द्यावी.

निगम आयुक्त :- मा.महापौरजी, आताच सदनासमोर वॉटर बॉयलाजचा विषय चर्चेसाठी आलेला आहे, वॉटर बॉयलाजच्या संदर्भात चर्चा होत असतांना आक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटबाबत विषय निघालेला आहे. याबाबतीत मी सदनासमोर असे निवेदन करू इच्छितो कि, आक्युपेंन्सी सर्टीफिकेटचा विषय पाणी कनेक्शन घेताना का आला ? मुळात ऑक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट हे कायद्याच्या संदर्भात आपण डी.सी.आर. पाहिला तर डी.सी.आर. असा म्हणतो कि बांधकाम पुर्ण झाल्यानंतर आवेदकांना एक अर्ज करावयाचा असतो कि ज्यामध्ये बांधकाम हे आपण मंजूर केलेल्या प्लॉननुसार पुर्ण केलेले आहे. आणि आता ते आक्युपेंन्सी देण्यासाठी ते तयार आहे. अशा स्वरूपात अर्ज केल्यानंतर विभागाच्या मार्फत कुठल्या प्रकारचा बांधकाम त्याठिकाणी झाले आहे त्याची तपासणी केल्या जाते आणि त्यानंतर आक्युपेंन्सी सर्टीफिकेट दिल्या जातो. तथापि त्यामध्ये महत्वाचा मुद्दा पण विभागाकडुन पहावयाचा असतो तो असा आहे कि जे बांधकाम झालेला आहे ते बांधकाम करणा-या व्यक्तीने डेव्हलप करणे पब्लिक सेपटी अँड जनरल हेल्थच्या दृष्टीने तेथे जे लोक राहण्यासाठी येणार आहे त्यांच्या सार्वजनिक आरोग्याच्या विचार विकासकाने केला आहे किंवा नाही या प्रक्रियेची ज्यावेळी पडताळणी केली जाते त्यावेळी पिण्याच्या पाण्याची उपलब्धता कुठल्या सोर्समधुन केलेली आहे ही फक्त उपलब्धता आपण तपासत असतो आणि या अनुषंगाने पिण्याच्या पाण्याची काय सोय आहे विभागाकडुन याची माहिती घेतली जात असते. जर कनेक्शन घेतले असेल तर ते कुठले घेतले आहे, ही तपासणी करण्यांत येते, याची तरतुद आहे कारण जेथे कोणी रहावयास आला नाही तेथे कनेक्शन घेतले असेल तर असा नियम आहे कि जी आपली कॅटेगिरी आहे, ड्रीकींग

वॉटर फॅसिलिटी अँट द वर्क साईट म्हणुन तो मुद्या आपण नमुद केलेला आहे. ज्यावेळेला विकासक आपला विकास काम पुर्ण करतो, ते पुर्ण केल्यानंतर ज्यावेळला रेसीडेंशीयल परमिशन किंवा जी काही परमिशन त्याठिकाणी असेल त्यानुसार तेथे लोक रहावयास येतात. त्या वेळी असे अपेक्षित आहे की, विकासकानी सर्वप्रकारची प्रक्रिया पुर्ण करून लोकांना राहण्यासाठी आणलेले आहे आणि त्यांनी ती प्रक्रिया पुर्ण केल्यानंतर पाणी देण्यासाठी कोणतीही हरकत राहणार नाही. तथापि विकासकांनी ते बांधकाम व्यवस्थित पुर्ण केले आहे किंवा नाही हे ब-याच काळापासुन कोणी तपासायला येत नसल्यामुळे असे प्रकार होत आहे, काही वर्षापूर्वी ही स्कीम आणली होती की विकासक इकडच्या नागरिकांचा गैरफायदा उचलणार नाही. त्यांना चांगली सवय लागेल कुठे तरी आडकाठी केल्यानंतर नागरिकांना सोय द्यावी लागेल, नागरिक बिल्डरच्या मागे लागतील, त्याला प्रेशरायज करतील, आता नागरिकांना बिल्डरच्या मागे का लागावे, प्रशासनाने बिल्डरच्या मागे लागावे असे देखील विचार आता मांडण्यात आले. मा.महापौर महोदया मला असे सांगावयाचे आहे कि अनेक असे विकासक आढळले कि, ज्याच्यामध्ये विकासक बांधकाम केल्यानंतर निघुन गेले. जे रेप्युटेड बिल्डर आहे ते सर्वसमावेशकपणे काम करतांना आढळुन आले. ते आक्युपेंसी सर्टीफिकेट मिळण्यासाठी रितसर अप्लॉय करतात. याच्यानंतर एखाद्या विकासक आला, एखादी विकास प्रक्रीया केली कुठल्याही प्रकारची अर्धवट प्रक्रिया केली व निघुन गेला तर अश्याप्रकारच्या केसेसमध्ये आम्हाला असे अनेक विकासक आढळुन आले असल्यामुळे अशी अडचण निर्माण झाली आहे. यामधुन एक मध्यम मार्ग आपण काढला होता कि आक्युपेंसी सर्टीफिकेट मिळेपर्यंत आपण नागरिकांना पिण्याच्या पाण्यापासुन वंचित ठेवु नये, यामध्ये जी कॅटीगीरी होती त्या कॅटीगीरी मध्ये देण्याकरिता सुरुवात केली होती व असा निर्णय आपण मागच्यावर्षी घेतला होता. माझी सभागृहाला पुन्हा विनंती आहे कि आपण जो काही बॉयलाजच्या बाबतीत निर्णय घेत आहोत हा निर्णय नागरिकांना सेवा पुरविण्याकरिता आपल्या सभागृहाचे कर्तव्य आहे, म.न.पा.चे कर्तव्य आहे ते आपण पार पाडलेच पाहिजे. ते किफायतशीर राहिले पाहिजे याकरिता आपण उचित निर्णय घेतला पाहिजे, हे करीत असतांना भविष्यामध्ये जो काही विकास होणार आहे, त्याच्यावर अंकुश कसा ठेवायचा व आज जो विकास झालेला आहे तो रेग्युलराईज कसा करायचा या सर्व गोष्टीचा एकत्रितपणे विचार करण्याच्या अनुषंगाने आपण बॉयलाज तयार केलेला आहे याचा शांतपणे विचार करून आपण निर्णय घेतला पाहिजे.

श्री प्रफुल्ल गुडधे :-मा.महापौरजी, याठिकाणी निगम आयुक्तांनी जे निवेदन केलेले आहे, ती गोष्ट खरी आहे. परंतु त्याचा भुर्दंड म्हणुन विकासकाला पडत नाही आणि सर्वसामान्य माणुस जो उपभोक्ता म्हणुन तेथे रहायला गेला आणि त्याला तिप्पट रेटनी पाण्याचे बिल येत आहे आणि मग तो नगरसेवकाला सांगतो की पाण्याचे बिल वाढले

आज अश्या इमारतीमध्ये जे लोक राहण्यासाठी गेले आहे त्यांना मोठया प्रमाणात पाण्याचे बील आले आहे मग तो नगरसेवकांच्या मागे बिल कमी करून घेण्यासाठी येतात आणि मग वरून नगरसेवकांवर प्रेशर येते टॅकरनी पाणीपुरवठा करावा, यामध्ये मी कोणाचे नांव घेणार नाही, ही जी परिस्थिती निर्माण होते त्यात या परिस्थितीला न तो सर्वसामान्य माणुस जबाबदार आहे न तेथील नगरसेवक जबाबदार आहे, या परिस्थितीला बिल्डर जबाबदार आहे व प्रशासन जबाबदार आहे कि ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेट न घेता त्याला बांधकामासाठी परवानगी दिली असेल तर मला असे वाटते कि त्या विकासकावर आपण कडक कारवाई केली पाहिजे. आणि कायदया प्रमाणे जे आवश्यक असतील ती कारवाई केली पाहिजे. आज एका फ्लॅटमध्ये 50,000 रु बिल आले आहे आणि त्या फ्लॅटस्कीम मधील रिटायर्ड व म्हातारे लोक फिरत आहे 50,000 रु बिल कमी करून दया. आपल्या बायलॉज मध्ये तरतुद नाही आहे बिल कमी करून देण्याची म्हणुन ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेटची अट राहु दया जर त्याचा पाण्याचा वापर बिल्डींग कन्स्ट्रक्शनसाठी जर करणार असेल तर तिप्पट दरांनी त्यांच्यावर दर लावावा परंतु त्याचा वापर जर नागरिक करीत असेल तर फ्लॅटमध्ये राहायला जाणारे लोक जर करीत असेल तर ही अट पुर्णतः शिथिल करण्यात यावी.

श्री दयाशंकर तिवारी :-मा.महापौरजी, संपुर्ण महाराष्ट्र मे ऐसी कितनी महानगरपालिका है जहां आक्युपेंसी सर्टीफिकेट के आधार पर पानी के दर तय किये जाते है। सभागृह मे यह जानकारी दी जाये।

कार्यकारी अभियंता (जलप्रदाय) श्री.गायकवाड:-मा.महापौरजी, अशी माहिती सध्या उपलब्ध नाही.

श्री.दयाशंकर तिवारी :-मा.महापौरजी, जो चीज हयात मे ही नही है उसकी जानकारी होती ही नही। महाराष्ट्र मे कही पर भी यह चीज लागु नही है। पुरे महाराष्ट्र मे कही पर भी यह लागु नही है। हमारे यहां नैसर्गिक रूपसे एक प्राध्यापक हमारे म्युनिसीपल कमिशनर करके आये थे, वह मेरे भी प्राध्यापक थे और प्राध्यापक कही न कही शोधकर्मी होता है वह नये नये शोध करता है और उसी शोध मे से एक नया शोध यह भी हुआ था, लेकिन शोध के लिये कही न कही पेटेंट की आवश्यकता होती है, ओर वही प्रक्रिया सभागृह मे लाकर के चर्चा करना और चर्चा करके उसको स्टॅब्लिश करने की प्रक्रिया होती है। मा.महापौरजी, मैं कृपापुर्ण यह निवेदन करना चाहता हूँ कि पुरे महाराष्ट्र मे अगर इस प्रकार का कोई नियम नही है कि आक्युपेंसी सर्टीफिकेट के आधार पर पानी का नियम तय किया जाये तो यह चीज नागपूर महानगरपालिका मे भी नही होना चाहिये। मा.महापौरजी, दुधवाला दुध रोज एक रेट से देता है, सब्जीवाला सब्जी रोज एक रेट से देता है तो महार्पौरजी, महानगरपालिका पानी देते समय सर्टीफिकेट के आधार पर पानी का रेट कयों तय करे, कोई कर्मशियल वापर करता है

तो उसके कर्मशियल के रेट अलग होने चाहिये। मैं कृपापूर्ण निवेदन करना चाहता हूँ कि, बिल्डींग का बांधकाम अगर शुरू है तो ऐसी अवस्था में अगर पानी वापरा जा रहा है तो हमने आज जो रेट लगाये हैं उस हिसाब से लगाये जाये लेकिन उसमें नागरिक वसाहत के रूपमें उसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसमें जो कंझुमर्स के लिये हम सामान्य दर लगाते हैं वही दर लगाना चाहिये, कम से कम हमने आज इस सदन की भावना को देखते हुये आक्युपेंसी सर्टीफिकेट के आधार पर हमने जो एक अलग इसके लिये मापदंड निश्चित किये हैं तो उस अट को समाप्त किया जाये यह निवेदन मैं सभागृह के सामने करता हूँ। मा.महापौरजी, थुल माइयाशी व्यक्तिरित्या बोलले कि माइया विभागामध्ये एवढे कर्मचारीच नाही आहे कि ते तपासणी करू शकतील. मा. महापौरजी, आक्युपेंसी सर्टीफिकेट देण्यासाठी, तपासणी करण्यासाठी जेवढे लोक पाहिजे तेवढे लोक विभागात नाही, प्लिंथ लेव्हल पासून तपासणी करण्यासाठी किती कर्मचा-यांची संख्या लागते, याचा सुध्दा आपण विचार करावा त्याप्रमाणे आपण नागपूर महानगरपालिकेच्या एस्टॅब्लीशमेंटवर तेवढ्या लोकांची नियुक्ती करावी, त्यानंतर शिस्तप्रमाणे बांधकाम होणार, आपल्याकडे जर लोकच नाही राहणार इन्स्पेक्शन करण्यासाठी माणुसच नाही मग आपण भुर्दड लावत आहे ही चुकिची पध्दत आहे, याकरिता सुरुवातीला गैरप्रकारचा बांधकाम होता कामा नये याकरिता बंदी घालण्याकरिता कर्मचा-यांची रितसर नियुक्ती करावी, त्यानंतर या प्रकारचे नियम सभागृहात आणून त्याचा रितसर विचार करून असे कानून तयार करावे, अशी नम्रतेने आपणांस विनंती करतो.

श्री संजय महाकाळकर :-मा.महापौरजी, आक्युपेंसी सर्टीफिकेट रदद् करण्याचा जो विषय आहे तो निश्चितपनाने रदद् करावा, याच्या अगोदर आपण ज्या बिल्डींगला आक्युपेंसी सर्टीफिकेट दिलेले आहे, त्याठिकाणी रहिवासी नागरिकांना जो जास्तीचा भुर्दड पडलेला आहे, तो रेटचा जो डिफरेंस आहे तो सुध्दा कसा कमी करता येईल याचा आपण विचार करावा.

श्री पुरुषोत्तम हजारे :-मा.महापौरजी, पाण्याच्या विषयावर याठिकाणी चर्चा सुरु आहे, मी आपणांस सांगु इच्छितो कि आपल्याला याठिकाणी अधिकारीवर्गानी गोलमोल उत्तरे दिले, पाण्याचे दर वाढविण्यासाठी किंवा बिल्डरला फायदा पडोचविण्यासाठी ही कामे सुरु आहे. परंतु आजपर्यंत नागपूर शहरामध्ये महानगरपालिकेला फायदा पडोचविण्यासाठी या अधिका-यांनी कोणतेही काम केलेले नाही, नागपूरात किती कंपन्या आहेत अँक्वा, बिस्लेरी, अश्या खूप सा-या कंपन्याचे पाणी आपल्या नागपूर शहरात येते. परंतु एकाही अधिका-यांनी विचार केला नाही की महानगरपालिका जी पाणीपुरवठा करते ते पाणी एकदम शुध्द असते यांच्याकडून काही दंड घेण्यासाठी आपण विचार केला आहे काय ? आपण महानगरपालिकेचा पाणी इतक्या मोठयाप्रमाणात या कंपन्यांना देवु व

आपल्या महानगरपालिकेला इनकम मिळण्यासाठी कोणत्याही प्रकारचे प्रयत्न करणार नसेल तर व नागपूरच्या जनतेला पिण्याचे पाणी मिळत नसेल तर मग याला कोण जबाबदार आहे.

श्री संदीप जोशी :-मा.महापौरजी, वॉटर ववर्सच्या उपविधीच्या विषयावर एक चांगली चर्चा या सभागृहामध्ये झाली. सर्वप्रथम मी मा.विरोधी पक्षनेते व मा.गटनेते, बी. एस.पी व इतर सर्व नेत्यांचे मनापासून अभिनंदन करतो. कारण मागील काही वर्षांपासून या सभागृहामध्ये चर्चा करण्याची सवय राहिली नाही. कुठलेही चांगले विषय आले तर त्याच्यावर चर्चा करायची नाही, सभागृहाचा त्याग करायचा आणि निघून जायचे. या उपविधीच्या वेळेस देखील अश्या अनेक गोष्टी घडलेल्या आहेत. या विषयावर याठिकाणी पहिल्यांदा चर्चा झाली, उत्तम चर्चा झाली अनेक मा.सदस्य या विषयावर बोलले, त्यांचे मनापासून अभिनंदन. हे सर्व करीत असतांना एक सूचना कच्चे घराचे 10 युनिटचे 12 करावे किंवा 10 युनिटचे 20 युनिट करावे अशी होती, याबाबत माझी आपणांस विनंती आहे कि 10 युनिटचे 15 युनिट करण्यांत यावे त्याचप्रमाणे पक्के घराचे 15 युनिटच्या जागेवर देखील 20 युनिट करण्यांत यावे.त्याचप्रमाणे आक्युपेंसी सर्टीफिकेटच्या बद्दल बरीच चर्चा आपण याठिकाणी उपस्थित केलेली आहे, मुळात सर्वसामान्य माणुस घराचे स्वप्न बघतो आणि घराचे स्वप्न बघतांना कुठल्या नियमाच्या अंतर्गत कसा फ्लॅट आपण घेतला तर आपल्याला त्रास होईल किंवा आपल्याला पाण्याचे बील पांच पट येईल याची त्याला कल्पना नसते. त्यावेळेस सर्वसामान्य माणुस स्वस्तात कसा मला फ्लॅट भेटेल, येवढेच बघत असतो परंतु ज्यावेळेस त्याला पाण्याचा बील येते व पाण्याचा बील आल्यानंतर लक्षात येते कि, हे पाण्याचे बील मला कर्मशियल येत आहे कारण त्या बिल्डरनी अक्युपेंसी सर्टीफिकेट घेतले नाही, आता आक्युपेंसी सर्टीफिकेट म्हणजे काय ? या संदर्भात सभागृहाच्या अर्ध्या नगरसेवकांना माहित नसते तर सर्वसामान्य माणसाना काय माहित राहणार आहे. आणि आक्युपेंसी सर्टीफिकेटचा विषयाच्या संदर्भात मा. सदस्यांनी ज्या काही सूचना केल्या, आक्युपेंसी सर्टीफिकेट घेत असतांना त्या बिल्डरवरती जेवढी कडक अॅक्शन आपण घेतले पाहिजे. माझी प्रशासनाला विनंती आहे मी काल मा.जिल्हाधिकाऱ्यांशी बोललो आणि त्यांच्या समोर प्रस्ताव असा ठेवला कि, जोपर्यंत ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेट त्या बिल्डरला मिळत नाही, तोपर्यंत सर्वसामान्य माणसाला घराची रजिस्ट्री करून देण्यांत येवु नये याबद्दलची अट महानगरपालिका, आणि जिल्हाधिकारी प्रशासन असे मिळुन आपल्याला तयार करता येईल काय ? त्याचा अर्थ असा आहे कि एखाद्या बिल्डरनी जर फ्लॅट स्कीम पुर्ण बांधली आणि फ्लॅट स्कीम बांधल्यानंतर त्याला जर फ्लॅट विकावयाचा असेल आणि फ्लॅटची रजिस्ट्री झाली असेल त्याच्या जवळ ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेट महानगरपालिकेचा जर नसेल तर त्याची रजिस्ट्रीच नाही लागली पाहिजे. जेणेकरुन सर्वसामान्य माणसाला फ्लॅट देतांना त्याच्याजवळ त्याचा

ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेट राहिला पाहिजे. त्याकरिता आपण अत्यंत वेगाने याची तयारी सुरु केली पाहिजे. दुसरा विषय असा आहे कि अनेकदा आपण सांगतो कि एम.आर.टी.पी. अॅक्ट अंतर्गत आपल्याला कार्यवाही करता येते. मग प्रशासनाने किती जणावर कार्यवाही केली, प्रशासनाने किती बिल्डर लोकांना पकडले, काही बिल्डर चांगले असतात, परंतु माझी आपणांस विनंती आहे कि, प्रशासनाला अत्यंत कडक सूचना देण्यांत याव्या कि या प्रकरणामध्ये असे होणार नाही, सर्वसामान्य माणुस ओरडतो आता आम्ही काय करू, बिल्डर गायब झाला, मग बिल्डर जर गायब झाला तर त्याची पहिली ऑक्युपेंसी सर्टीफिकेट लिजच्या वेळेस आपण घेतली होती काय ? प्रशासनाजवळ जर माणसे नसतील तर त्याची व्यवस्था करण्याची जबाबदारी आपली आहे. ही सभागृहाची जबाबदारी असेल परंतु सर्वसामान्य माणसांची ही जबाबदारी नाही. त्याला याच्याशी काहीही देणेघेणे नाही आणि जो बिल्डर या पध्दतीने वागत असेल त्या बिल्डरवरती एम. आर.टी.पी.अॅक्ट अंतर्गत ताबडतोब येणाऱ्या पंधरा दिवसात आपण कार्यवाही करण्याचे आदेश प्रशासनाला देण्यांत यावे. त्याचप्रमाणे असे जे बिल्डर असतील, आपण अनेकदा जाहिरातीमध्ये पैसे खर्च करतो, नागपूर शहरातील सर्वसामान्य नागरिकांकरिता आप-आपल्या झोनमध्ये अश्या सर्व ब्लॅकलिस्टेड बिल्डर आहे जे लोकांना फक्त घरे विकतात आणि स्वःताचे पोट भरतात, अश्या ब्लॅकलिस्टेड बिल्डरची एक यादी करून प्रत्येक झोनमध्ये अश्या बिल्डरची यादी लावावी, नगररचना विभागात ही यादी लावावी कि हे बिल्डर ब्लेक लिस्टेड आहे. नागपूर शहरामध्ये जाहिरातीच्या माध्यमातून यादी प्रसिध्द करावी. त्याचप्रमाणे आक्युपेंसी सर्टीफिकेटचा संपुर्ण विषय रद्द करून हया संपुर्ण उपविधीचा प्रस्ताव महाराष्ट्र शासनाला पाठविण्यांत यावा, अशी मी आपणांस विनंती करतो.

श्री प्रफुल्ल गुडधे :-मा.महापौरजी, याठिकाणी पुन्हा 60 नंबरवरती चर्चा झाली पाहिजे, त्याचासुध्दा वाचन करावा यात दोन तीन मुद्यावर फक्त चर्चा झालेली आहे, 60 नंबरचा मुद्दा वाचून दाखवावा. तो विषय अत्यंत महत्वाचा आहे. कारण टॅकरद्वारे जे पाणी आहे येथे सत्तापक्षनेत्यांनी 58 नंबरवर भाष्य केले यात माझा काही विरोध नाही, तो विषय संपला आता 60 नंबरवरती चर्चा झाली पाहिजे. कारण टॅकरद्वारे जो पाणी पुरवठा होतो नॉन नेटवर्क एरीयामध्ये त्याचे सुध्दा पैसे आता नागरिकांना लागतील हा महत्वाचा विषय आहे. सभागृहाला मान्य असेल कि टॅकरद्वारे पाणीपुरवठा आता विनामुल्य करायचा आहे त्याचे पैसे घ्यायचे असतील तर माझी हरकत नाही, मात्र या संदर्भात चर्चा झाली पाहिजे मा.महापौरजी, आपण बायलॉजवर चर्चा करतो आणि या बायलॉजचा इफेक्ट पुढील अनेक वर्षे राहणार आहे.

श्री संदीप जोशी :-मा.महापौरजी, या सभागृहामध्ये ही उपविधी आणण्यामागचा कारण हे आहे कि कलम क्रमांक 60 नुसार नागपूर शहर महानगरपालिका सिमेअंतर्गत

म.न.पा.च्या कोणत्याही जलप्रदाय प्रणालीतून पाणी पुरवठा प्राप्त न होणाऱ्या मात्र म.न.पा. च्या मालमत्ता कराचा भरणा करित असलेल्या कोणत्या ही व्यक्तिला किंवा संस्थेला किंवा घरांना आयुक्त यांनी वेळोवेळी निश्चित केलेले शुल्क भरून टॅकरद्वारे पिण्याचे पाणी प्राप्त करता येईल. अशी सभागृहाने एकमताने मान्यता प्रदान केलेली आहे. माझी निगम आयुक्तांनी विनंती आहे की, यावरती आपले भाष्य करावे.

निगम आयुक्त :-मा.महापौरजी, आपल्या येथे दोन प्रकारच्या टॅकर प्रणाली चालतात एक नेटवर्क एरीयामध्ये काही कारणांनी तारत्पूरती जर काही अडचण झाली तर टॅकरद्वारे पाणी पुरवठा केल्या जातो दुसरा जो नॉन नेटवर्क एरीया आहे, त्या भागामध्ये रेसीडेंशीयल डेव्हलपमेंट झालेली आहे, आपले नेटवर्क झालेले नाही, गुंठेवारी झालेली असेल नसेल विविध प्रकारच्या गोष्टी आहे, त्या भागामध्ये आपल्याकडे मोठ्या प्रमाणात पाणी पुरवठा केल्या जातो. या संदर्भात गेल्या काही वर्षांपासुन आपल्या येथे खूप मोठ्याप्रमाणात नॉननेटवर्क एरीयामध्ये टॅकरद्वारे पाणी पुरवठा केल्या जात आहे, या संदर्भामध्ये दोन गोष्टी निदर्शनात येतात कि एक नॉन नेटवर्क एरीयामध्ये जेथे आपण टॅकर पडोचवत आहो, तेथे सुमारे 15 कोटी रूपयांच्या आसपास आपल्याला भार येत असतात. टॅकरचा जो खर्च आहे तो म.न.पा.ने वहन केल्यास हरकत नाही. पाणी त्यामध्ये जो वापर केल्या जातो त्याचा वापर कुठे तरी करावा काय ? दोन गोष्टी चर्चेमध्ये आल्या होत्या कि पाणी मोफत आहे काय ? एक आपण ज्याठिकाणी टॅकरद्वारे पाणी पुरवठा करित आहे ते कर भरतात किंवा नाही, आणि त्यांच्याकडुन कर आकारणी केली असेल तर तो जनरल पाणीकर भरतो की नाही अशा अनेक विषय त्याच्यात आहे आणि म्हणुन टॅकरचे शुल्क न आकारता केवळ पाण्याचे शुल्क त्याच्यामधुन आकारता येते काय ? अश्यास्वरूपाची चर्चा त्याच्यामध्ये झाली होती आणि त्याच्या अनुषंगाने हा मुद्दा सादर केला आहे.

श्री प्रफुल्ल गुडधे :-मा.महापौरजी, हा प्रस्ताव पुर्णतः निरस्त करण्यांत यावा, कारण ज्या अनधिकृत वस्त्या आहे तेथे नेटवर्क एरिया नाही तेथे पाण्याचे शुल्क आकारावे काय ? हा प्रश्न मी मा.आयुक्तांना करतो, प्रशासनिक सोयीच्या दृष्टीने निर्णय झाला असेल मात्र यावर सभागृहाला निर्णय घ्यावयाचा आहे तो अशा पध्दतीच्या नॉन नेटवर्क एरीयामध्ये कुठल्याही प्रकारचे पाणी शुल्क लावण्यांत येवु नये त्याचा कारण असा आहे कि जेव्हा एक टॅकर त्या वस्तीमध्ये येतो, तेथे एक माणुस तो पाणी भरीत नाही, ड्रम किंवा टॅबमध्ये एका पेक्षा अधिक लोक पाणी तेथे भरतात, दुसरा महत्वाचा विषय असा आहे कि, ते या शहराचे नागरिक आहे ते मालमत्ता करामध्ये पाणी कर भरतात कि नाही, हे तपासण्याची आवश्यकता नाही. कारण या शहरात जो नागरिक बाहेरून ही आला तरी त्याला पिण्याचे पाणी पुरविणे ही जबाबदारी स्थानिक स्वराज्य संस्थेची जबाबदारी आहे. आपल्या शहरामध्ये जत्रा भरतात, तेथे येणारे लोक ते काही या शहराचे

नागरिक राहत नाही, विविध शहरामधून या भागामध्ये येते त्यावेळेस आपण त्यांची टॅम्पेरीरी व्यवस्था करतो, पिण्याच्या पाणीची असेल, दिवाबत्तीची असेल, राहण्याची असेल ती व्यवस्था आपण करतो. आपल्याकडे ताजुद्दीन बाबाचा उर्स भरतो, त्यावेळेस बाहेरचे लोक या शहरामध्ये येतात, दिक्षाभुमीमध्ये दरवर्षी दसऱ्याच्या दिवशी मोठे सम्मेलन होते, त्यावेळेस सुध्दा शहराच्या बाहेरचे लोक तेथे येतात, त्यावेळी सुध्दा आपण तात्पूरती व्यवस्था करतो, म्हणुन कुठल्याही वेल्फेअर स्टेट मध्ये लोककल्याणकारी राज्याच्या संकल्पनेमध्ये अश्याप्रकारचा कर लादणे आणि प्रत्येक गोष्टीमध्ये व्यवहार निर्माण करणे हे संयुक्तिक होणार नाही, असे मला वाटते. म्हणुन हे कलम क्रमांक 60 पुर्णतः निरस्त करण्यांत यावे. त्या संपुर्ण परिसरामध्ये नेटवर्क उपलब्ध करून देण्याची जबाबदारी आता एन.आय.टी.तर बरखास्त होवुन राहिली, त्यामुळे महानगरपालिकेनी त्या एरीयामध्ये नेटवर्क उपलब्ध करून द्यावा, त्यामुळे कलम 60 ही पुर्णतः निरस्त करण्यांत यावे, अशी विनंती करतो त्यानंतर पुन्हा एका कलमावर मला चर्चा उपस्थित करण्याची परवानगी द्यावी. दुसरा विषय जे आहे ते स्लम क्षेत्रातील झोपड्यांना आपण जी सूट देणार आहे, ते ऑफोरडेबल हाउसिंगमध्ये 500 फुटापर्यंतच्या घरानां देणार आहे कि नाही त्या संदर्भात प्रशासनाची काय भुमिका आहे ती पण भुमिका मा.आयुक्तांनी सांगण्यात यावी.

निगम आयुक्त :-मा.महापौर महोदया, आता जी चर्चा सुरु आहे ती दोन विषयाच्या संदर्भातील चर्चा आहे. स्लमसाठी आपण जो बॉयलाज केलेला आहे तो अफोरडेबल हाउसिंगमध्ये घ्यावयाचा आहे, मला मुळतः यामध्ये स्लम ही पुर्णतः अस्वच्छ, गालिच्छ स्वरूपात राहल्यामुळे कच्च्या स्वरूपात विकास झाला असल्यामुळे त्याला स्पेशल स्टेटस दिले गेले आहे. स्लम अॅक्टनुसार तेवढ्या पुरता आपण स्लम पॉलिसीचा विचार करीत आहे. तो आपण कुठल्याही नियमित पध्दतीने विकसित करण्यांत आलेल्या त्याच्या साईजबद्दल आपण कुठेही बोलत नाही. कुठल्या घटकातील लोक तेथे राहतात याबद्दलही बोलत नाही. आमची धारणा अशी आहे कि, एम.आर.टी.पी. अॅक्ट अंतर्गत कुठली इमारत नियमानुसार विकासीत झालेली इमारत किंवा लेआउट असेल तेथील राहणी निश्चितच स्लम पेक्षा वरची असेल त्यांची इकॉनॉमिक पातळी जरी कमी असली तरी सुध्दा याचा अर्थ असा आहे की, स्लम मधली जी परिस्थिती आहे त्यापेक्षा निश्चितच चांगली परिस्थिती त्या ठिकाणी आहे. त्यामुळे जे रेगुलर विकासीत झालेला जो भाग आहे जरी त्याच्यामध्ये ई.डब्लु.एस. श्रेणी असेल, जरी त्यामध्ये एल.आय.जी. श्रेणी असेल, जरी त्यामध्ये एम.आय.जी. श्रेणी असेल, तरी सुध्दा सभागृहामध्ये वॉटर बायलॉज निश्चित केले ते निश्चित करतांना चढत्या क्रमाचा अवलंब केला आहे त्यामुळे ही विचारधारणा यापुर्वीच दर प्रणालीमध्ये अंतर्भूत करण्यात आले आहे. आपण आज सुध्दा जे कोणी 500 स्केअर फुटापर्यंतचे घर ग्राहक आहे ते कमी पाण्याचा वापर करतात त्यांचा अजुनही 67 रुपये कर आकारणी करीत आहे जे की खुपच

सबसीडायर्ज दर आहे. त्यामुळे मला असे म्हणावयाचे आहे की आपण याप्रमाणे दर प्रणाली निश्चित करित असल्यामुळे अफोरडेबल हाउस जरी असेल तरी सुध्दा पाण्यामध्ये त्यांना किमान दर हे अफोरडेबलच आहे या स्वरुपाची दर प्रणाली यापुर्वीच अॅडॉप्ट केली आहे. आता राहिला प्रश्न टॅकरच्या संदर्भात जो मुद्या मांडला मला असे वाटते की त्यामध्ये आपण म्हटले की वेगवेगळी लोक पाणी घेत असल्यामुळे नेमके पाणी कोण घेत आहे हे आपल्याला कळत नाही म्हणुन जनरल शुल्क आपण पाण्याचा लावावा असे म्हणत होतो शेवटी कुठे ना कुठे तरी, कोणी ना कोणी कुठल्याही खर्चाला क्रॉस सबसीडायर्ज करित असतो. जर आपण टॅकरवर 15 करोड रुपये खर्च करित असु तर हे 15 कोटी रुपये कोणी ना कोणीतरी दुसरीकडुन भरीत आहेच आता हा निर्णय मात्र सभागृहाने घ्यायचा आहे तो आपण इतरांवरती लादावा तर काही प्रमाणात जनरल टॅक्सप्रणाली मधुन जनतेकडुन तो काही प्रमाणात वसुल करावा हा निर्णय सभागृहाला घ्यायचा आहे एवढीच माझी विनंती आहे.

श्री.प्रफुल गुडधे :- मा.महापौरजी, 500 स्केअर फुटाच्या संदर्भात मा.आयुक्तांनी जी भुमिका मांडली पाणी करामध्ये त्याच्या क्षेत्रफाळाचा आपण विचार करित नाही तो किती पाण्याचा वापर करतो त्या अनुषंगाने दर निश्चित करतो मात्र या शहरामध्ये ज्या काळामध्ये झोपडपट्ट्या निर्माण झाल्या, या शहरामध्ये तेव्हा सिलींग अॅक्ट होता त्यामुळे या शहरामध्ये अतिरिक्त निर्माण झाल्या आहेत आज झोपडपट्ट्या मध्ये राहणारे लोक खुशीने तेथे राहत नाही. आज झोपडपट्ट्यामध्ये राहण्याची इच्छा पण आहे पण झोपडपट्ट्या मध्ये जागाच शिल्लक नाही अनेक लोकांना घरे पाहिजे म्हणुन आता अफोरडेबल हाउसिंगमध्ये एक विशेष कॅटीगरी आली आहे. केंद्र शासनाचे धोरण आहे राज्य शासनाचे धोरण आहे. कालच्या बजेटमध्ये सुध्दा हाउसिंगचे धोरण आले आहे त्यामुळे याला कॅटीगरी वाईज करता येवु शकते काय? या ठिकाणी सन्माननिय सत्तापक्ष नेत्यांना विनंती करतो की 500 चौ.फुटापर्यंतचे जे घरे आहे जे छोटे असतात त्यांचे श्रेणी एल.आय.जी अंतर्गत येते त्यांची आर्थिक परिस्थिती अत्यंत कमी असते असल्यामुळे त्यांचा या कॅटीगरीमध्ये अंतर्भाव करण्यात यावा अशी माझी सभागृहाला विनंती आहे मला असे वाटते की या संदर्भात सभागृहाला निर्णय घ्यायचा आहे.

श्री.संजय महाकाळकर:-मा.महापौरजी, संपुर्ण शहरामध्ये, बऱ्याचशा एरिया आणि प्रभागामध्ये नेटवर्कींग एरिया आहे परंतु नेटवर्क असुन सुध्दा त्या भागामध्ये मुबलक पाणी उपलब्ध नाही किंवा पाणी उपलब्ध आहे तर दुषित पाण्याच्या समस्या आहे. अशा परिस्थितीमध्ये नागरिकांना टॅकरची आवश्यकता पडली तर त्याचे शुल्क आपण घेणार काय ?

श्री.संदीप जोशी:-मा.महापौरजी, दोन विषयासंदर्भात या ठिकाणी चर्चा झाली कलम क्र. 60 नुसार ज्यामध्ये हे म्हणण्यात आले आहे की पैसे घेतले पाहिजे नाही घेतले

पाहिजे वेगवेगळे विचार आहे. माझी प्रशासनाला विनंती आहे की अशा ज्या जागा आहे ज्या ठिकाणी आपल्याला असे वाटते की टॅकरनी शुल्क घेतले पाहिजे आणि ज्या ठिकाणी टॅकरचा शुल्क घ्यायचा नसेल त्या ठिकाणी वॉटर टॅक्स आपण लोकांकडून वसूल केला पाहिजे, दुसरा विषय अफोरडेबल हाउसिंगचा होता या दोन्ही विषयाबद्दल माझी आपणांस सुचना आहे की दोन्ही विषय एन.ई.एस.एल. च्या बैठकीमध्ये पुन्हा चर्चेला घ्यावे त्यावर अंतिम निर्णय घेवून त्याच्यानंतरच संपुर्ण उपविधी शासनाला मंजूरी करिता पाठवावे.

श्री.प्रफुल गुडधे:- मा.महापौरजी, दोन्ही विषय एन.ई.एस.एल. च्या बैठकीमध्ये घेण्याची हरकत नाही यामध्ये सरसकट निर्णय टॅकरसाठी पैसे लावण्याचा घेवु शकत नाही त्याचा निर्णय या सभागृहातच घ्यावा.

श्री प्रविण दटके:- मा.महापौरजी, मुळ मुद्या असा आहे की जेथे आपण टॅकरद्वारे पाणीपुरवठा करतो आणि जेथे आपण जनरल टॅक्स घेतो हाच मुद्या आहे की जेथे नळाचे कनेक्शन आहे तेथे जर शुल्क घ्यावे असा जर प्रशासनाचा मानस आहे जर आपल्याला शिस्त लावायची आहे. मुळ मुद्या प्रफुलजींनी मांडला की शुल्क घेवु नये पण जेथे 100-100, 200-200, टॅकरच्या फेऱ्या होतात आहे जेथे महानगरपालिका कोटी-कोटी रुपये खर्च करीत आहे मग तेथे आजपासुन जनरल वॉटर टॅक्स मध्ये इनक्लुड करु. जे लोक रेगुलर टॅक्स भरतात त्यावर भुर्दंड लागतो. आता अॅमीनिस्टी स्किम तरी जे लोक टॅक्स भरत नाही जे नियमानी टॅक्स भरतात त्यांनी कुठेच आपण संधी देत नाही याही विषयात जेथे पाण्याचे नेटवर्क नाही तेथे सर्वात कमी वॉटर टॅक्स लावावा आणि चांगली सेवा दयावी.

वरील चर्चेच्या अनुषंगाने नागपुर शहर महानगरपालिका पाणीपट्टी दर मुल्यांकन व वसुली मुख्य उपविधी 2009 व दुरुस्ती उपविधी 2010 मध्ये सुधारण/दुरुस्ती करण्यास महासभेने ठराव क्र. 330 दि. 06.10.2016 अन्वये मंजूरी प्रदान केली होती. या सुधारणा महाराष्ट्र शासन राजपत्रामध्ये वर्ष 2, अंक 47 गुरुवार ते बुधवार, डिसेंबर 08-14, 2016/अग्रहायण, 17-23, शके 1938 अन्वये प्रसिद्ध करण्यात आल्यानंतर दि. 10 जानेवारी 2017 चे मराठी वृत्तपत्र दैनिक लोकमत, हिंदी वृत्तपत्र दैनिक नवभारत, इंग्रजी वृत्तपत्र दैनिक हितवाद मध्ये जाहीर सूचना प्रसिद्ध करुन याबाबत नागरिकांकडून 30 दिवसांमध्ये आक्षेप मागविण्यात आले होते. विहित मुदती पर्यंत कोणतेही आक्षेप प्राप्त न झाल्याने महासभेने ठराव क्र. 330 दि. 06.10.2016 रोजी मंजूर केलेल्या दुरुस्ती कायम करुन महाराष्ट्र शासनाकडे महाराष्ट्र महापालिका अधिनियम 1949 मधील कलम 460 व 461 नुसार या दुरुस्तींना अंतिम मंजूरीसाठी पाठविण्याबाबत यथायोग्य निर्णय घेण्याचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवुन प्रस्तावात नमूद कच्चे घरांसाठी 10 युनीटचे ऐवजी 15 युनीट व पक्के घरांसाठी 15 युनीटच्या ऐवजी 20 युनीट अशी दुरुस्ती करण्यात यावी त्याचप्रमाणे नळाच्या कनेक्शन करिता वहिवाट प्रमाणपत्र (ऑक्युपेन्सी सर्टीफिकेट) ची अट रद्द करण्यात यावी आणि ज्या वसाहतीमध्ये नळाचे नेटवर्क नसलेल्या भागामध्ये

टॅन्करद्वारे पाणीपुरवठा केला जातो त्या नियमामध्ये बदल करून टॅन्करद्वारे होणा-या पाणीपुरवठ्यावर शुल्क आकारण्यासाठी धोरण ठरविणे तसेच प्रधानमंत्री आवास योजनेतील लाभार्थ्यांना स्लमच्या धोरणानुसार पाणी पुरवठा करणे इत्यादि बाबत यथायोग्य निर्णय घेण्यास्तव हा विषय महानगरपालिकेच्या पाणी पुरवठा व्यवस्थेवर नियंत्रण ठेवणा-या एनईएसएल बोर्डासमोर चर्चेस्तव ठेवून त्यावर अंतिम निर्णय घेवून तो राज्य सरकारकडे मंजूरीसाठी पाठविल्या जाईल या मा.सत्तापक्ष नेते श्री.संदीपजी जोशी यांनी सुचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

ठराव क्रमांक 12:- महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीव सुरक्षा अधिनियम 2006 चे तरतुदीनुसार सुधारित अग्निशमन सेवा शुल्क लागू करण्याबाबत.

विभागातर्फे महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीव सुरक्षा अधिनियम 2006 चे तरतुदीनुसार (Municipal Corporation where population exceeds 10 lakhs but does not exceed 25 Lakhs) महासभा ठराव क्र. 355 दि. 10.02.2009 नुसार अग्निशमन सेवा शुल्क व इतर कार्यासाठी आकारण्यात येणारे शुल्क तक्ता "अ" व "ब" प्रमाणे शुल्क आकारण्यात येत होते. मा. आयुक्त यांचे मंजूरी आदेशान्वये उपरोक्त शुल्क आकारणीत वाढ करून दिनांक 30.11.2011 पासून शुल्क आकारणी लागू करण्यात आली.

सदर विषय धोरणात्मक असल्याने या विषयास महासभेपुढे कार्योत्तर मंजूरीकरीता ठेवण्यात आले होते. महासभा ठराव क्र. 110 दि. 20.06.2015 प्रमाणे सदर ठरावाद्वारे खालील प्रमाणे एकमताने निर्णय घेण्यात आला.

- आग प्रतिबंधक व जिव संरक्षण उपाययोजना अधिनियम 2006 चे तरतुदीनुसार शासनाने दि. 03.03.2014 पासून शुल्क आकारणीचा अध्यादेश जारी केले आहे. त्यानुसार शेड्युल । प्रमाणे शुल्क आकारण्यात यावे.
- दिनांक 03.03.2014 पुर्वी म.न.पा. ठरावा अंतर्गतचे शुल्क शासनाच्या शुल्कापेक्षा जास्त असतील तर त्याच दराने शुल्क आकारण्यात यावे.
- मा. आयुक्तांनी दिनांक 30.11.2011 पासून स्थायी समिती व म.न.पा. सभागृहाच्या मान्यतेशिवाय केलेली वाढ निरस्त करण्यात येत आहे. तसेच प्रशासनाला अशाप्रकारची चुक भविष्यात होणार नाही याप्रमाणे ताकीद दिली आहे.
- दिनांक 03.03.2014 च्या शासनाच्या शेड्युल मध्ये जर म.न.पा. ला काही सुधार करावयाचा असल्यास शासनाची मंजूरी घेणे बंधनकारक राहिल. याप्रमाणे सदर ठरावाद्वारे निर्णय घेण्यात आला.

उपरोक्त शुल्क आकारणीबाबत जनहीत याचिका क्र. 107/2013 मा. उच्च न्यायालय, नागपूर खंडपीठ येथे दाखिल होती. या विषयासंबंधात मा. उच्च न्यायालयाने म.न.पा. च्या विरुद्ध खालीलप्रमाणे निर्णय दिला.

- 2006 च्या नियमाला जे संविधानिक विधी ग्राह्यतेचे आव्हान केले होते ते मा. उच्च न्यायालयाने फेटाळून लावले.
- दि. 03.03.2014 अगोदर लादलेला शुल्क व दि. 03.03.2014 च्या नंतरच्या परिशिष्ट ॥ मध्ये नमुद केलेल्या करापेक्षा जास्त कर आकारण्यात आलेला आहे. वाढीव शुल्क बेकायदेशिर असल्याचे नमूद केले आहे.

3. मालक व भोगवटदार यांचेतर्फे जे शुल्क आकारण्यात आले होते त्यांना शुल्क पारीत आदेशाच्या दिनांकापासून आठ (8) आठवड्यांच्या आंत परत करणे. याप्रमाणे निर्देश देण्यात आले.
4. इमारत बांधकाम धारकाकडून विभागाने वाढीव शुल्क आकारणी प्रमाणे शुल्क घेतले बांधकाम धारकाने भोगवटदारांना विक्री करतांना या शुल्काचा अंतर्भाव करूनच त्यांचेकडून रक्कम घेतली असल्याने उच्च न्यायालयाच्या निर्णयाविरुद्ध केवळ निधी परतावयाच्या मुद्दयावर सर्वोच्च न्यायालयात Special Leave Petition दाखल करण्यात आली. यावर मा. सर्वोच्च न्यायालयाने दि. 14.03.2016 ला उपरोक्त प्रकरणाबाबत मा उच्च न्यायालय, नागपूर खंडपीठ, नागपूर येथे Review (परीक्षणा) करिता दाखल करण्याबाबत आदेश पारित केल्यानंतर मा उच्च न्यायालयात Review Petition (परीक्षणाकरीता) दाखल करण्यात आली होती. तीसुद्धा खारीज करण्यात आली.

विभागातर्फे वाढीव सुधारीत शुल्क आकारणीप्रमाणे लागू केल्यानंतर विभागाच्या उत्पन्नात खालीलप्रमाणे वाढ झाली होती.

| अ.क्र | सन | वार्षिक उत्पन्न |
|-------|-----------|-----------------|
| 1 | 2006-07 | 13,49,634 |
| 2 | 2007-08 | 19,42,724 |
| 3 | 2008-09 | 67,59,292 |
| 4 | 2009-10 | 1,63,91,222 |
| 5 | 2010-11 | 1,54,07,122 |
| 6 | ➤ 2011-12 | 2,39,56,746 |
| 7 | ➤ 2012-13 | 7,44,58,722 |
| 8 | ➤ 2013-14 | 5,50,81,527 |
| 9 | ◀ 2014-15 | 3,61,25,810 |
| 10 | ◀ 2015-16 | 2,27,13,089 |

उपरोक्त उत्पन्नाचे तक्त्याचे तुलनात्मक अवलोकन केले असता सन 2014 ते 2016 या दरम्यान वाढीव शुल्क आकारणी स्थगित झाल्याने विभागाच्या उत्पन्नात मोठया प्रमाणात कमतरता आली आहे. ज्यामुळे अग्निशमनाचे कार्य पार पाडण्याच्या संबंधित गरजा भागविण्याकरीता विभागाला आर्थिक अडचण निर्माण झाली आहे. याकरीता सुधारीत अग्निशमन सेवा शुल्क वाढविल्यास विभागाचे उत्पन्नात वाढ करून घेणे आवश्यक आहे.

नागपूर शहराची लोकसंख्या झपाटयाने वाढली असून 25 लाखापेक्षा जास्त झाली आहे. महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीव संरक्षक उपाययोजना अधिनियम 2006 चे कलम 11(1) उपकलम (2) व (3) चे तरतुदीनुसार सुधारित अग्निशमन शुल्क आकारणी तक्ता 'अ' (Schedule II, Section. 3(1) Municipal Corporation where population exceeds 25 lakhs but does not exceed 50 Lakhs) याप्रमाणे या तक्त्याचा आधार घेवून वाढीव शुल्क आकारणीचा खालीलप्रमाणे तक्ता तयार करण्यात आलेला आहे.

| Sr. No. | Types of Building | Schedule II, Section. 3(1) Municipal Corporation where population exceeds 10 lakhs but does not exceed 25 Lakhs (महासभा ठराव क्र. 355 दि. 10.02.2009 प्रमाणे शुल्क आकारणी करण्यात येत आहे) | | Schedule II, Section. 3(1) Municipal Corporation where population exceeds 25 lakhs but does not exceed 50 Lakhs (शहराची लोकसंख्या 25 लाखापेक्षा जास्त झाल्याने वाढीव शुल्क आकारणी साठी अधिनियमातील या तक्त्याचा आधार घेण्यात येत आहे) | | Proposed revised Rate (विभागातर्फे प्रस्तावित केलेले वाढीव शुल्क) | |
|---------|---|--|---------------------------|---|---------------------------|---|---------------------------|
| | | Fee in Rs. Per Sq. mtr. | Subject to Minimum of Rs. | Fee in Rs. Per Sq. mtr. | Subject to Minimum of Rs. | Fee in Rs. Per Sq. mtr. | Subject to Minimum of Rs. |
| | Residential Building (A) | | | | | | |
| a) | Lodging or Rooming Houses (A-1) Less than 15 m in height | | | | | | |
| | i) Up to 15 rooms | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) More than 15 and up to 30 rooms | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| | iii) More than 30 room | 07 | 30,000 | 08 | 35,000 | 16 | 70,000 |
| b) | Apartment Houses (A-4) | | | | | | |
| 1 | From 15 m to 24 m in height | 03 | 20,000 | 04\ | 25,000 | 12 | 75,000 |
| 2 | 24 m and above but not exceeding 35 m in height | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 18 | 90,000 |
| 3 | Above 35 m but not exceeding 45 m in height | 07 | 35,000 | 08 | 50,000 | 24 | 1,50,000 |
| 4 | Above 45 m in height | 10 | 50,000 | 12 | 75,000 | 48 | 3,00,000 |
| c) | Hotels (A-5) | | | | | | |
| 1 | Less than 15 m in height | | | | | | |
| | i) Covered area not exceeding 300 m ² on each floor. | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Covered area exceeding 300 m ² but not more 1000 m ² on each floor | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| | iii) Covered area exceeding 300 m ² but not more 1000 m ² on each floor | 07 | 35,000 | 08 | 40,000 | 16 | 80,000 |
| 2 | 15 m and above but not exceeding 30 m | 10 | 50,000 | 12 | 75,000 | 36 | 2,25,000 |
| 3 | Above 30 m in height | 12 | 75,000 | 15 | 1,00,000 | 45 | 3,00,000 |

| | | | | | | | |
|----|--|----|----------|----|----------|-----|----------|
| D | Hotels (Stared) (A-6) | | | | | | |
| 1 | Less than 15 m in height | | | | | | |
| | i) 3 starred Hotels | 12 | 75,000 | 14 | 90,000 | 28 | 1,80,000 |
| | ii) 5 starred Hotels | 15 | 1,00,000 | 18 | 1,25,000 | 36 | 2,50,000 |
| | iii) 5 starred Deluxe Hotels | 20 | 1,50,000 | 22 | 1,40,000 | 44 | 2,80,000 |
| 2 | 15 m and above but not exceeding 30 m height | 25 | 2,00,000 | 28 | 2,50,000 | 84 | 7,50,000 |
| 3 | Above 30 m in height | 30 | 2,00,000 | 35 | 3,00,000 | 105 | 9,00,000 |
| | EDUCATIONAL BUILDING (B) | | | | | | |
| 1 | Less than 15 min height | | | | | | |
| | i) Ground plus one storey | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Ground plus two storey | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| 2 | 15 m and above but not exceeding 30 m in height | 07 | 35,000 | 08 | 40,000 | 16 | 80,000 |
| | INSTITUTIONAL BUILDING | | | | | | |
| a) | Hospitals, Sanatoria and Nursing Homes (c-1) | | | | | | |
| 1 | Less than 15 m in height | | | | | | |
| | i) Up to ground plus one story with plot area less than 1000 m2 with no beds | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Up to ground plus one story with plot area greater than 1000 m2 with beds. | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| | iii) Above two story, with no bead | 06 | 30,000 | 07 | 35,000 | 14 | 70,000 |
| | iv) Above two story, with bead | 05 | 35,000 | 08 | 40,000 | 16 | 80,000 |
| 2 | 15 m and above but not exceeding 24 m in height | 08 | 40,000 | 09 | 45,000 | 27 | 1,35,000 |
| 3 | Above 24 m and not exceeding 30 m in height | 10 | 50,000 | 12 | 60,000 | 36 | 1,80,000 |
| b | Custodial (c-2) and penal and plental (c-3) | | | | | | |
| 1 | Less than 10 m in height | | | | | | |
| | i) Up to 300 persons | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |

| | | | | | | | |
|---|--|----|--------|----|----------|----|----------|
| | ii) More than 300 persons | 05 | 25,000 | 05 | 30,000 | 10 | 60,000 |
| 2 | 10 m and above but not exceeding 15 m in height | 05 | 30,000 | 07 | 35,000 | 14 | 70,000 |
| 3 | 15 m and above but not exceeding 24 m in height | 07 | 35,000 | 09 | 45,000 | 27 | 1,35,000 |
| 4 | 24 m and above but not exceeding 30 m in height | 10 | 50,000 | 12 | 60,000 | 36 | 1,80,000 |
| | ASSEMBLY BUILDING (D) (D-1 TO D-5) | | | | | | |
| 1 | Less than 10 m in height | | | | | | |
| | i) Up to 300 persons | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) More than 300 persons | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| 2 | Above 10 m but not exceeding 15 m in height | 06 | 30,000 | 07 | 35,000 | 14 | 70,000 |
| 3 | Above 15 m but not exceeding 24 m in height | 07 | 35,000 | 09 | 50,000 | 27 | 1,50,000 |
| 4 | Above 24m but not exceeding 30 m in height | 10 | 50,000 | 12 | 75,000 | 36 | 1,80,000 |
| | BUSINESS BUILDING S (E) | | | | | | |
| 1 | Less than 10 m in heights | 03 | 25,000 | 04 | 30,000 | 08 | 60,000 |
| 2 | above 10 m but not exceeding 15 m in height | 05 | 35,000 | 06 | 40,000 | 12 | 80,000 |
| 3 | above 15 m but not exceeding 24 m in height | 07 | 50,000 | 08 | 75,000 | 24 | 2,25,000 |
| 4 | Above 24m height | 10 | 75,000 | 10 | 1,00,000 | 30 | 3,00,000 |
| | MERCANTILE BUILDING (F) | | | | | | |
| i | F-1 and F-2 | | | | | | |
| 1 | Less than 15 m in heights | | | | | | |
| | i) Ground plus one story, with total covered area not exceeding 500 m2 | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Ground plus one storey and covered | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |

| | | | | | | | |
|----|---|----|----------|----|----------|----|----------|
| | area exceeding 500 m2 | | | | | | |
| | iii) More than ground plus one storey | 07 | 35,000 | 08 | 40,000 | 16 | 80,000 |
| 2 | Above 15 m but not exceeding 24 m in height | 08 | 50,000 | 09 | 75,000 | 27 | 1,50,000 |
| 3 | Above 24 m but not exceeding 30 m in height | 10 | 75,000 | 12 | 1,00,000 | 36 | 3,00,000 |
| b) | Underground shopping complex (F -3) | | | | | | |
| | INDUSTRIAL BUILDINGS (G) | | | | | | |
| a) | Up to 18 m in height | | | | | | |
| | i) Covered area up to 50 m2 | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Covered area above 50 m2 and up to 100 m2 | 05 | 25,000 | 06 | 30,000 | 12 | 60,000 |
| | iii) Covered area above 100 m2 and up to 200 m2 | 7 | 35,000 | 08 | 50,000 | 16 | 1,00,000 |
| | iv) Covered area above 200 m2 and up to 400 m3 | 10 | 50,000 | 12 | 75,000 | 24 | 1,50,000 |
| | v) Covered area above 400 m2 | 15 | 1,00,000 | 15 | 1,25,000 | 30 | 2,50,000 |
| b) | Moderate Hazard (G – 2) | | | | | | |
| 1 | Up to 18 m in height | | | | | | |
| | i) Covered area up to 100 m2 | 03 | 20,000 | 04 | 25,000 | 08 | 50,000 |
| | ii) Covered area above 100 m2 and up to 250 m2 | 05 | 35,000 | 06 | 50,000 | 12 | 1,00,000 |
| | iii) Covered area above 250 m2 and up to 500 m2 | 07 | 50,000 | 08 | 75,000 | 16 | 1,50,000 |
| | iv) Covered area above 250 m2 | 10 | 1,00,000 | 12 | 1,25,000 | 24 | 2,50,000 |
| c) | High Hazard (G – 3) See Note (2) | | | | | | |
| 1) | (A) Up to 15 m in height | | | | | | |
| | i) Covered area up to 50 m2 | 03 | 25,000 | 04 | 30,000 | 08 | 60,000 |
| | ii) Covered area above 50 m2 and up to 150 m2 | 05 | 30,000 | 06 | 35,000 | 12 | 70,000 |
| | iii) Covered area above 150 m2 and up to 300 m2 | 07 | 40,000 | 08 | 50,000 | 16 | 1,00,000 |

| | | | | | | | |
|----|---|----|----------|-----|----------|----|-----------------|
| | iv) Covered area above 300 m ² and up to 500 m ² | 10 | 50,000 | 12 | 75,000 | 24 | 1,50,000 |
| | v) Covered area above 500 m ² | 15 | 1,00,000 | 15 | 1,50,000 | 30 | 3,00,000 |
| | (B) Cross Country Pipelines carrying hazardous Gases and Petroleum products. | 15 | 1,00,000 | 15 | 1,50,000 | 30 | 3,00,000 |
| | STORAGE BUILDINGS (H) | | | | | | |
| 1 | Up to 15 m in height | | | | | | |
| | (i) Single Storey Building | 07 | 20,000 | 08 | 25,000 | 16 | 50,000 |
| | (ii) Ground plus one floor | 10 | 25,000 | 12 | 30,000 | 24 | 60,000 |
| 2 | Above ground plus one floor | 15 | 35,000 | 18 | 40,000 | 36 | 80,000 |
| | HAZARDOUS BUILDINGS (J) | | | | | | |
| I | Up to 15 m in height | | | | | | |
| | (i) Single Storey Building | 10 | 25,000 | 12 | 30,000 | 24 | 60,000 |
| | ii) More than one floor building but not exceeding 15 m | 15 | 35,000 | 18 | 40,000 | 36 | 80,000 |
| II | Annual Fee As per Maharashtra act no. 13(1) & 14(3) to of Levied from date of Commencement of the Maharashtra from prevention and life safety measure Act. The Annual fee shall be calculated on minimum fees as per the provision of Act. | -- | -- | --- | --- | 1% | On minimum fees |

करीता महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीव संरक्षक उपाययोजना अधिनियम 2006 चे कलम 11(1) उपकलम (2) व (3) चे तरतुदीनुसार सुधारित अग्निशमन शुल्क आकारणीच्या विषयास महासभेने विचारात घेवून 25 लक्ष पेक्षा जास्त व 50 लक्ष पेक्षा कमी लोकसंख्या या अधिनियमातील तक्त्याच्या आधारानुसार 35 मीटर उंचीपर्यंतच्या सर्व प्रकारच्या इमारतींना 150 % पर्यंत सुधारित अग्निशमन शुल्क वाढ करण्यात यावी तसेच 35 मीटर पेक्षा जास्त उंचीच्या सर्व इमारतींना प्रशासनातर्फे सुचविलेली शुल्कवाढ करता येईल. तसेच अफोर्डेबल हाऊसींग स्कीमचे योजनेअंतर्गत येणा-या 60 चौ.मी.चे प्लॉट्स असलेल्या 40 मीटरच्या खाली सर्व इमारतींवर 50 % पर्यंत सुधारीत अग्निशमन शुल्कवाढ करण्यात यावी व 40 मीटरपेक्षा जास्त उंचीचे सर्व इमारतींना प्रशासनातर्फे सुचविलेली शुल्कवाढ करता येईल. या मा.सत्तापक्ष नेते श्री.संदीपजी जोशी यांनी सुचविलेल्या सुचनेनुसार व मा. सदस्य श्री. दयाशंकर तिवारी यांनी दिलेल्या लेखी सूचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.

महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

सूचना

विषय क्र. 11 दि. 20.03.2017 च्या सभेत खालील सुचनेसह विषयाला मंजूर करण्यात यावा. एकीकडे प्रशासन सुविधेच्या नावाखाली अग्नीशमन शुल्क वाढवत आहे तर दुसरीकडे अग्नीशमन विभागातील कर्मचा-यांची 300 पेक्षा जास्त जागा रिक्त आहे. व्यवस्थेची आवश्यकतेनुसार शुल्क वाढवावे पण सोबतच रिक्त असलेले पद ताबडतोब भरण्यात यावे तसेच न्यायालयाने दिलेल्या आदेशाप्रमाणे अधिका-यांचे पद न्यायालयाने ठरविलेल्या दिवसांच्या आत भरण्याच्या सुचनेसह म.न.पा. ची ही सभा या विषयाला एकमताने मंजूरी प्रदान करते.

हस्ता/- दयाशंकर च.तिवारी

ठराव क्रमांक 13:- प्रभाग क्रमांक 51 येथील तकीया या स्लम वसाहतीतील श्रीमती पुष्पा इंगळे व मनिषा नावरे यांच्या घराजवळील सार्वजनिक 14 संडास तोडण्याबाबत मा. नगरसेवक श्री. संदीपजी जोशी यांनी सुचविलेले आहे. आरोग्य विभागाचे अहवालानुसार सदर सार्वजनिक शौचालय नादुरुस्त असल्यामुळे तोडण्यास हरकत नाही असे सुचविलेले आहे तसेच स्वच्छ महाराष्ट्र अभियांना अंतर्गत पात्र असलेल्या 157 नागरीकांना स्वतंत्र संडास बनविण्याकरीता निधी देण्यात आलेला आहे. करीता उपरोक्त संडास तोडण्याकरीता चा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवुन या विषयाला प्राप्त उपसुचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा.महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मान्यता प्रदान केली.

उपसुचना

भोईपुरा मछलीबाजार स्थित शिकस्त पेशाबघर तोडणे हेतू यह सभा एकमत से मंजूरी प्रदान करती है ।

सुचक/हस्ता:- दयाशंकर तिवारी

अनुमोदक/हस्ता:- संदीप जोशी

ठराव क्रमांक 14:- महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम 56 (2) (ब) तरतुदीनुसार

महानगरपालिकेतील निलंबित करण्यात आलेले श्री. मनोज गेडाम, कर संग्राहक, कर विभाग, आसीनगर झोन क्र. 9 महानगरपालिका, नागपूर यांना कर विभागातील आर्थिक अपहार प्रकरणी

आदेश क्र. 148/ओ अँड एम. दि. 31/10/2016 अन्वये निलंबित करण्यात आले असून त्यांचे निलंबन कायम करण्याचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेवुन नोंद घेतली.

ठराव क्रमांक 15:— नागपूर शहरातील मालमत्ता कर आकारणी, बिल देयके व कर वसुली संदर्भात चर्चा उपस्थित करण्याकरिता महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील "1 (जे)" प्रमाणे नोटीस सभागृहात पुकारला.

ठराव क्रमांक 16:— नागपूर महानगरपालिकेच्या परवान्यावर दिलेल्या दुकानाचे शुल्क वाढ संदर्भात घेतलेल्या निर्णयावर चर्चा करुन, निर्णय घेण्याकरीता महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील "1 (जे)" प्रमाणे नोटीस सभागृहाने विचारात घेवून या विषयाचा अभ्यास करण्याकरिता माजी महापौर श्री.प्रविणजी दटके यांची एक सदस्यीय समिती गठीत करण्यात यावी व समितीने सादर केलेल्या अहवालावर निर्णय घेण्याचा अधिकार मा.महापौरजी यांना प्रदान करण्यात येतो तसेच तोपर्यंत बाजार विभागातर्फे नवीन वाढीव दराने सुरु असलेली वसुली तात्काळ थांबविण्यात यावी. या मा. सत्तापक्ष नेते श्री.संदीपजी जोशी यांनी केलेल्या सुचनेसह या नोटीसची सभागृहाने एकमताने नोंद घेतली.

यानंतर राष्ट्रगित होवून सभेची कार्यवाही अनिश्चित काळाकरिता स्थगित करण्यांत आली.

निगम सचिव
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर

महापौर
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर